देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 296 । भोपाल, गुरुवार 26 अक्टूबर 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

विधानसभा चुनावः नरेला से 'आप' की रईसा और निर्दलीय बाबू ने भरा नामांकन — पृष्ठ 3
▪ जंग की आग में फिल्म का प्रचार ▪ मिजोरम विधानसभा चुनाव पर मणिपुर हिंसा की छाया — पृष्ठ 4
▪ 38 लाख के आभूषण कार से जप्त ▪ नए मतदाताओं के बीच होगा टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट — पृष्ठ 6
कमलनाथ विशाल रैली के साथ आज दाखिल करेंगे नामांकन — पृष्ठ 8

बड़ा हादसा टला

पातालकोट एक्सप्रेस के 2 डिब्बों में लगी आग, यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

आगरा, एजेंसी। मथुरा से झांसी जा रही पतालकोट एक्सप्रेस में बुधवार दोपहर 3.45 बजे के लगभग भांडई रेलवे स्टेशन के समीप तेज धमाके के साथ अग लग गई। ट्रेन की 2 जनरल बोगियों में लगी इस आग के बाद भगदड़ मच गई। ट्रेन रुकते ही बदहवास यात्रियों ने कूदना शुरू कर दिया। इस घटना में जहां कई यात्री बुरी तरह झुलस गए, वहीं कूदने से भी कई यात्रियों के घायल होने की खबर है। लेकिन बड़ा हदसा होने से बच गया। घटना की खबर मिलते ही रेलवे और के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद यहां ट्रेनों का आवागमन रोक दिया गया।

घटना के समय ट्रेन संख्या–14624 पातालकोट एक्सप्रेस पंजाब के फिरोजपुर से छत्तीसगढ़ के सिवनी जा रही थी। ट्रेन आगरा के रेलवे फाटक संख्या 487 से गुजर रही थी कि उसी समय ट्रेन के डिब्बों से धुआं उठते हुए देखकर गेटमैन ने स्टेशन मास्टर को इस बात की सूचना दी। देखते ही देखते ट्रेन से उठने वाला धुआं आग की तेज लपटों में बदल गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आनन–फानन में ट्रेन को भांडई और जाजऊ रेलवे स्टेशन के पास रोका गया, साथ ही फायर ब्रिगेड बुलाई गई, इस बीच रेलवे के आरपीएफ और बचाव टीम भी मौके पर पहुंच गई। फायर फायटरों और आमजनों की सहायता से करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझाया जा सका। घटना के बाद इन डिब्बों की बिजली आपूर्ति बंद कर कोच को अलग कर दिया गया था।

इंजन के पीछे लगे ट्रेन के 2 जनरल कोच में आग लगी थी, दोनों कोच साधारण थे। घटना के समय इन कोचों में 144 से ज्यादा यात्री सवार थे। इस हादसे में कुछ लोग झुलस गए हैं, हालांकि रेलवे ने अधिकारिक रूप से पर इसकी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है।

इनका कहना है

पातालकोट एक्सप्रेस के जनरल कोच में भांडई स्टेशन के पास आग लग गई थी। स्टाफ द्वारा स्टेशन मास्टर को सूचना दी गई। इसके बाद ओएचई को शट डाउन करते हुए ट्रेन को रोका गया। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है, मामले की जांच की जाएगी।

तेज प्रकाश अग्रवाल
मंडल रेल प्रबंधक, रेल मंडल आगरा

मोदी मंत्रिमंडल ने किया फैसला

खाद सब्सिडी जारी रहेगी

यूरिया–डीएपी के नहीं बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली, देशबन्धु। केंद्र सरकार ने किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत खाद पर न केवल सब्सिडी को जारी रखा जाएगा, बल्कि यूरिया और डीएपी की मौजूदा कीमत में कोई बढोत्तरी नहीं की जाएगी। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि एक बार फिर किसान हितैषी सरकार ने निर्णय लिया हैकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बढ़ती कीमत का असर देश में किसानों पर नहीं पड़ने दिया जाएगा। इसके तहत केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रबी सत्र के लिए पीएंडके उर्वरकों पर 22303 करोड रुपए की सब्सिडी को मंजूरी दी है। उन्होंने कहाकि वैश्विक स्तर पर कीमतों में बढोत्तरी के बावजूद किसानों को डीएपी पुराने दर 1,350 रुपए प्रति बैग की कीमत पर मिलती रहेगी। साथ ही यूरिया के दाम भी नहीं बढाए जाएंगे और एमओपी 45 रुपए प्रति बोरी कम पर मिलेगी। उन्होंने बताया कि एनबीएस के तहत किसानों को खाद रियायती दाम पर मिलते रहेंगे। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उत्तराखंड के जमरानी बांध को प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना–संवर्द्धित सिचाई लाभ कार्यक्रम में शामिल करने का मंजूरी दे दी।

छत्तीसगढ़ में 30 करोड़ की नगदी और सामग्री जब्त

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू है। इस दौरान तय राशि के अलावा सामग्री का परिवहन प्रतिबंधित है। जगह–जगह चेक पोस्ट बनाए गए हैं और वाहनों की तलाशी ली जा रही है। इसी क्रम में अब तक 30 करोड़ से ज्यादा की सामग्री और नगदी बरामद की गई है। राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने से लेकर अब तक की स्थिति में 30 करोड़ 52 लाख 32 हजार रूपए की अवैध धन राशि तथा वस्तुएं जब्त की गई है, जिसमें आठ करोड़ 13 लाख 43 हजार रूपए की नगद राशि शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने नर्मदापुरम में किया रोड शो, नरसिंहपुर, मुलताई और टिमरनी में की सभाएं, बोले-

कांग्रेस में चल रही कपड़ा फाड़ प्रतिस्पर्धा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कांग्रेस की हालत अजब–गजब हो गई है। सोनिया कांग्रेस, खड़गे कांग्रेस बनी, फिर मध्यप्रदेश में कमलनाथ कांग्रेस हो गई। कमलनाथ ने तो क्या, उनके बेटे ने भी टिकट बांट दिए और जब टिकट को लेकर कोलाहल मचा, लोग कमलनाथ के पास पहुंचे तो कमलनाथ ने कहा, कपड़े फाड़ना है तो दिग्विजय सिंह और जयवर्धन सिंह के फाड़ो।

श्री चौहान ने नर्मदापुरम में रोड शो कर नरसिंहपुर, मुलताई और टिमरनी में विशाल चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कपड़ा फाड़ हो गई। कांग्रेस टिकट बदल कांग्रेस बन गई है। कांग्रेस ने घबराकर कई जगह टिकट बदल दिए हैं। कांग्रेस की हालत तो बड़ी अजब–गजब हो गई है। अब देखते हैं कांग्रेस में आगे और क्या होने वाला है। श्री चौहान ने नरसिंहपुर से भाजपा प्रत्याशी और केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल का नामांकन दाखिल कराया और उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, प्रहलाद एक नया इतिहास रचेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि, कांग्रेस की विकृत मानसिकता देखिए उन्हें कन्या पूजन नाटक–नौटंकी लगती है। उन्होंने कहा कि बेटियों का पूजन दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के लिए नाटक–नौटंकी होगी, लेकिन मेरे लिए यह जीवित जागृत देवियां है। मैं हर कार्यक्रम से पहले कन्या पूजन करता हूं और करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि, मध्यप्रदेश अब पिछड़ा नहीं है, मध्यप्रदेश अब बीमारू भी नहीं है। मध्यप्रदेश को विकसित प्रांतों की कतार में ले जाकर खड़ा कर दिया है। हमारा संकल्प है कि, अब मध्यप्रदेश को हिंदुस्तान का नं–1 राज्य बनाकर रहेंगे। श्री चौहान ने कार्यकर्ताओं को भाजपा की विजय का संकल्प भी दिलाया। उन्होंने कहा कि, आप जीत का रिकॉर्ड बनाइए और भाजपा विकास का रिकॉर्ड बनाएगी।

(संबंधित खबरें पृष्ठ 6 व 7 पर भी)

कमलनाथ ने उठाए सवाल, कहा-

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था खस्ताहाल

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने बुधवार को ट्वीट कर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार आने पर वरदान स्वास्थ्य बीमा योजना की शुरुआत की जाएगी। इस योजना के जरिए लोगों का 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराया जाएगा। इसमें 10 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा भी शामिल है। कमलनाथ ने कहा कि शिवराज सरकार के 18 वर्ष के कार्यकाल में मध्य प्रदेश स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में पिछड़े राज्यों की पंक्ति में आ कर खड़ा हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में बीमार और गर्भवती महिलाओं को एंबुलेंस तक नहीं मिलती है और आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज भी नहीं हो प रहा है। कमलनाथ ने कहा कि राज्य में मृतकों का उपचार दिखाकर घोटाला किया जा रहा है। उन्होंने व्यापम और नर्सिंग कॉलेज घोटालों के जरिए राज्य की छवि खराब करने का आरोप भी सिरकार पर लगाया।

कांग्रेस ने 4 प्रत्याशी बदले

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के लिए अपने 4 प्रत्याशियों को बदल दिया है। पूर्व में घोषित प्रत्याशियों के लगातार विरोध के बाद पार्टी ने इन सीटों पर प्रत्याशी बदलने का फैसला लिया है।

सुमावली से अजब सिंह कुशवाह को टिकट दिया है, पहले कुशवाह का टिकट काटकर कुलदीप सिकरवार को प्रत्याशी बनाया गया था। पिपरिया से वीरेंद्र बेलवंशी को प्रत्याशी बनाया गया है। यहां से पहले गुरुचरण खरे को टिकट दिया गया था। वहीं बड़नगर से अब मुरली मोरवाल को टिकट दिया गया, यहां पहले राजेंद्र सिंह सोलंकी को टिकट दिया था। जावरा से वीरेंद्र सिंह सोलंकी को टिकट दिया गया यहां पहले हिम्मत श्रीमाल उम्मीदवार बनाए गए थे। इससे पहले पार्टी ने घोषित प्रत्याशियों के विरोध के चलते पहली सूची में घोषित 3 सीटों पर प्रत्याशी बदले थे। इनमें दतिया से अवधेश नायक की जगह राजेंद्र भारती, गोटेगांव में शेखर चौधरी की जगह नर्मदा प्रसाद प्रजापति यथावत और पिछोर से शैलेंद्र सिंह का टिकट काटकर अरविंद सिंह लोधी को प्रत्याशी बनाया गया है।

आमला पर कोई निर्णय नहीं

कांग्रेस ने बैतूल जिले की आमला विधानसभा सीट पर अब तक कोई पुनर्विचार नहीं किया है। यहां से कांग्रेस ने मनोज मालवे को प्रत्याशी बनाया। माना जा रहा था इस सीट से डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा, लेकिन जिस दिन निशा बांगरे का इस्तीफा सरकार ने मंजूर किया इससे पहले ही पार्टी ने मनोज मालवे को उम्मीदवार घोषित कर दिया। इसके बाद यह चर्चा है कि यहां मालवे की जगह निशा बांगरे को टिकट दिया जा सकता है, लेकिन इस बारे में देर शाम तक कांग्रेस की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। जबकि निशा बांगरे ने सोशल मीडिया के जरिए यह कहा कि कांग्रेस को अपना रुख साफ करना चाहिए। इसे लेकर वे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ से भी मिलेंगी। अभी भी यह चर्चा है कि आमला कांग्रेस मालवे की जगह निशा बांगरे को मैदान में उतार सकती है।

एक देश, एक चुनाव को लेकर हुई बैठक

2024 के चुनाव में लागू करना मुमकिन नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में समिति की दूसरी बैठक हुई। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरीश साल्वे, जम्मू–कश्?मीर के पूर्व सीएम गुलाम नबी आजाद के अलावा विधि आयोग के चेयरमैन ऋतु राज अवस्थी मौजूद रहे। इस दौरान लॉ कमीशन की ओर से एक पूरा रोडमैप पेश किया गया।

सूत्रों ने बताया कि बैठक में लॉ कमीशन ने जानकारी दी है कि वन नेशन, वन इलेक्शन को अगर देश में लागू करना है तो उसके लिए कानून और संविधान में क्या संशोधन करने पड़ेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, कमीशन ने कमेटी को बताया कि फिलहाल 2024 के चुनाव में वन नेशन वन इलेक्शन को लागू करना मुमकिन नहीं है, लेकिन 2029 में इसको लागू किया जा सकता है। उससे पहले संविधान में संशोधन करना होगा। समिति ने अपनी दूसरी बैठक में इस बार लॉ कमीशन के चेयरमैन को भी शामिल होने के लिए बुलाया था। समिति जानना चाहती है कि देश में एक साथ चुनाव किस तरह से करवाए जा सकते हैं। इसलिए विधि आयोग के सुझाव और विचार जानने के लिए बुलाया गया था।

राहुल के साथ साक्षात्कार में सत्यपाल मलिक बोले

मैं लिखकर देता हूं कि मोदी सरकार अब नहीं आएगी

पुलवामा में सीआरपीएफ के जवान शहीद इस कारण हुए क्योंकि उन्होंने पांच एयरक्राफ्ट मांगे थे। एयरक्राफ्ट मांगने की एप्लीकेशन चार महीने गृह मंत्रालय में अटकी रहीः सत्यपाल मलिक, पूर्व राज्यपाल

- पूर्व राज्यपाल ने किसान आंदोलन, पुलवामा हमले व अडानी समेत कई मुद्दों पर सरकार को घेरा
- जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस देना चाहिए
- सरकार ने पूलवामा का राजनीतिक इस्तेमाल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का साक्षात्कार किया है। इसमें उन्होंने किसान आंदोलन, पुलवामा हमले और अडानी समेत कई मुद्दों पर बात की और केंद्र सरकार को निशाने पर लिया।

इस बातचीत को राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए लिखा, 'क्या ये संवाद ईडी–सीबीआई की भाग दौड़ बढ़ा देगा? राहुल गांधी से बातचीत के दौरान सत्यपाल मलिक ने मणिपुर हिंसा का जिक्र करते हुए कहा, 'नॉर्थ ईस्ट स्थिर था, लेकिन इन्होंने (केंद्र और राज्य सरकार) ने अशांत कर दिया। छह महीने की ओर बात है। मैं लिखकर दे रहा हूं कि ये सत्ता में नहीं आएंगे।'

अगले साल 2024 में लोकसभा चुनाव है। इसमें एक तरफ बीजेपी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन है तो दूसरी तरफ कांग्रेस, टीएमसी और जेडीयू सहित अन्य विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' आमने–सामने होगा।

कश्मीर को जबदरस्ती ठीक नहीं कर सकते

राहुल गांधी ने पूछा कि जब आप जम्मू कश्मीर में थे तो काफी पेचीदा समय था। इस पर आपकी क्या राय है? सत्यपाल मलिक ने कहा, 'आप जम्मू कश्मीर को जबदरस्ती या सेना से ठीक नहीं कर सकते। यहां के लोगों को जीत कर आप कुछ भी कर सकते हैं। समस्या का समाधान करने के लिए पहले तो राज्य का दर्जा वापस देना चाहिए है। उन्होंने आगे दावा किया कि जम्मू कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा केंद्र सरकार ने शायद इस कारण दिया क्योंकि इनको लगता था कि पुलिस विद्रोह कर देगी, लेकिन पुलिस तो सरकार के प्रति वफादार रही है। पुलवामा में हुए आतंकी हमले को लेकर सत्यपाल मलिक ने कहा, मैं यह तो नहीं कहता कि इन्होंने (केंद्र सरकार) ने कराया, लेकिन पुलवामा में इन्होंने नजरअंदाज किया और फिर इसका राजनीतिक इस्तेमाल किया। ऐसा इसलिए बोल रहा क्योंकि इनकी स्पीच है। इसमें ये बोल रहे हैं कि वोट देने जाओ तो पुलवामा की शाहदत को याद रखना।'

राहुल बोले, एयरपोर्ट पर मुझे कमरे में बंद किया

राहुल गांधी ने इस पर कहा, मैंने पुलवामा के बारे में सुना तो पता लगा कि शहीद एयरपोर्ट आ रहे हैं तो मुझे मेरे सिक्योरिटी वाले ने कहा कि आप एयरपोर्ट मत जाओ, लेकिन मैंने कहा कि मैं जा रहा हूं। मुझे एयरपोर्ट पर कमरे में बंद कर दिया गया। बताया गया कि शहीद आए हुए थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ रहे हैं। मैं लड़कर कमरे से निकला तो लगा कि पूरा शो बनाया जा रहा है। सत्यपाल मलिक ने कहा कि पुलवामा में सीआरपीएफ के जवान शहीद इस कारण हुए क्योंकि उन्होंने पांच एयरक्राफ्ट मांगे थे। एयरक्राफ्ट मांगने की एप्लीकेशन चार महीने गृह मंत्रालय में अटकी रही। गृह मंत्रालय ने ये खारिज कर दिया। इस कारण ये लोग सड़क से गए।

सार समाचार

देर रात तक चला लक्ष्मीगंज में कवि सम्मेलन

गुना, देशबन्धु। विजयादशमी पर्व के मौके पर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी लक्ष्मीगंज में अखिल भारतीय हास्य कवि समेलन का आयोजन हुआ। प्रेमनगर ग्रुप के चेयरमैन प्रेमनारायण राठौर भजन सेठ के द्वारा आयोजित इस कवि समेलन में देर भर के कई नामचीन कवियों ने शिरकत की जिनमें लॉफ्टर चैलेंज प्रताप फौजदार, प्रिया खुशबू कन्नौज, गोविंद राठी शुजालपुर, मुन्ना बैंटरी मंदसौर, बलराम श्रीवास्तव, निसार पठान रमथापुरी, प्राण प्रहरी राजपुर, डालचन्द्र मनमौजी, प्रेमसिंह गुना, डॉ. शैलेष गौतम प्रयागराज और रजनी सिंह आदि ने देर रात तक काव्य पाठ किया। इस मौके पर कवि सम्मेलन में कवियों ने अपने गीत, कविता और व्यंग्गों से श्रोताओं को खूब गुदगुदया तो वहीं राष्ट्र को समर्पित और वीर रस से ओतप्रोत पंक्तियों पर खूब तालियां बटोरी। रात करीब 9 बजे शुरू हुआ कवि सम्मेलन देर रात तक चला। जिसमें श्रोताओं ने कविता-पाठ का जमकर लुत्फ उठाया। प्रताप फौजदार ने भी श्रोताओं को जमकर लोटपोट कराया।

देशी पिस्टल के साथ देर रात घूमता मिला बदमाश

गुना, देशबन्धु। कैंट पुलिस द्वारा रात्रि गश्त के दौरान अवैध देशी पिस्टल सहित एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत मध्य रात में पुलिस को रात्रि गश्त के दौरान नानाखेड़ी में ऊमरी रोड पर एक व्यक्ति के संदिग्ध अवस्था में घूमने की सूचना मिली। जिस पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी तो आस्था होटल के सामने एक व्यक्ति घूमता हुआ मिला। जिसने पुलिस वाहन को देखकर वहां से भागने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस फोर्स द्वारा जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। जिसने पूछताछ पर अपना नाम नंदकिशोर पुत्र गुलाब सिंह कुशवाह निवासी ग्राम सकतपुर, थाना कैंट गुना का होना बताया। जिसके रात्रि में इस तरह घूमने और पुलिस को देखकर वहां से भागने का प्रयास करने पर पुलिस को जिस पर संदेह होने पर उसकी तलाशी ली गई, तो उसकी कमर में एक अवैध देशी पिस्टल खुरसी हुई मिली। जिसे चैक करने पर उसमें एक जिंदा राउण्ड लोड होना पाया गया। जिसे पुलिस द्वारा सावधानी पूर्वक अनलोड किया गया एवं आरोपी के कब्जे से बरामद उक्त पिस्टल व राउण्ड को विधिवत जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 25/27 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया है। पुलिस की इस कार्रवाई में टीआई पंकज त्यागी, जयनारायण शर्मा, प्रमोद जाट, रामकुमार रघुवंशी एवं विनोद धाकड की उल्लेखनीय भूमिका रही है ।

भाजपा के बमौरी चुनाव कार्यालय का हुआ उद्घाटन

गुना, देशबन्धु। भाजपा के बमौरी विधानसभा के अधिकृत प्रत्याशी महेंद्र सिंह सिसोदिया का चुनाव कार्यालय का शुभारंभ बुधवार को वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यालय का उद्घाटन कन्यापूजन के साथ महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार,ज़िला संयोजक सूर्यप्रकाश तिवारी, सहसंयोजक हरि सिंह यादव, विधानसभा प्रवासी प्रदीप चौहान, प्रभारी मनोज दुबे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गजेंद्र सिकरवार, राधेश्याम पारिख, योगेन्द्र लुंबा, अरुण चतुर्वेदी, नीरज निगम, आलोक विजयवर्गीय सहित बड़ी संख्या में भाजपाजन एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्री सिकरवार ने कहा कि कार्यकर्ताओं को अपने बूथ पर युद्धस्तर पर कार्य करना है और पार्टी के प्रत्याशी को बड़ी जीत दिलाना है। उन्होंने कहा कि बमौरी में श्री सिसोदिया ने ऐतिहासिक विकास कार्य करायें हैं जिन्हें आप सभी को जन जन तक पहुँचाना है।

आरोपी दे रहे झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी

पुरानी रंजिश में मोटर सायकिल में तोड़फोड़ कर आग लगाने की कोशिश

गुना, देशबन्धु। शहर की सांई सिटी कॉलोनी में एक व्यक्ति की मोटर सायकिल में पड़ोसी ने तोडफ़ोड़ कर आग लगाने की कोशिश की। अब आरोपी परिवार की महिला उल्टे पीड़ित पक्ष पर हरिजन एक्ट एवं दुष्कर्म का झूठा मामला दर्ज कराने की धमकी दे रही है। बुधवार को पीड़ित परिवार ने पुलिस अधिकारियों को आवेदन देकर मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सांई सिटी कालोनी निवासी आनंद सिंह सेंगर के सामने रहने वाला आए दिन पड़ोसियों से विवाद करता है। उक्त दंपत्ति पड़ोसियों पर हरिजन एक्ट एवं दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी देता है। इसी पुरानी रंजिश पर गत दिवस फरियादी श्री सेंगर की मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 08 एल 6314 में तोडफ़ोड़ कर आग लगाने का प्रयास किया। पीड़ित परिवार के अनुसार उसने पूर्व में कई बार आवेदन दिए हैं, लेकिन पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती।

उक्त घर से नशे का कारोबार भी चलता है। पुलिस अधिकारियों को दिए आवेदन में पीड़ित परिवार ने मामले में सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

गोविंद गार्डन में लगाए बैनर

रहवासी बोले, रोड नहीं तो वोट नहीं

गुना, देशबन्धु। चुनाव आते ही नेताओं को शहरवासियों की समस्याएं याद लाने लगी हैं। लेकिन चुनावी आचार संहिता के बंधन में कोई घोषणा नहीं कर पा रहे हैं। इधर शहर की अधिकांश कॉलोनियों में सडक़, नाली की व्यवस्था नहीं होने के कारण मतदाताओं में आक्रोष है, जो अब चुनावी बहिष्कार में बदल रहा है। कुछ ऐसा ही मामला शहर के गोविंद गार्डन लूसन के बगीचा में देखने को मिला। यहां पिछले आठ साल से रहवासी सडक़ नहीं होने के कारण काफी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। अब उन्होंने कॉलोनी के मुख्य द्वार पर सडक़ नहीं तो वोट नहीं का पोस्टर लगाया है।

रहवासियों के अनुसार वर्ष 2015 में उक्त कॉलोनी बनी थी। जब से वह कच्ची सडक़ से आ जा रहे हैं। जिसमें आए दिन बुजुर्ग, बच्चे और महिलाएं गिरकर घायल हो रहे हैं। रहवासियों ने कई बार जनसुनवाई सहित सांसद, विधायक, मंत्री को आवेदन दिए। लेकिन कॉलोनी में रोड नहीं बन सकी। अब परेशान होकर कॉलोनीवासियों ने रोड नहीं तो वोट नहीं के पोस्टर लगाएं हैं।

उल्लेखनीय है कि गुना सहित जिलेभर में ऐसे वाकया सामने आ रहे हैं। दरअसल विधानसभा चुनाव के 17 नवंबर का मतदान है। राजनीतिक पार्टियों के प्रत्याशी अपनी पार्टी और अपने पक्ष में वोट डालने के लिए लगातार शहर के गली-मोहल्ले और गांव-गांव लोगों से जनसंपर्क कर रहे हैं। वहीं अब रहवासियों का धीरे-धीरे उनके वार्ड और गांवों में विकास कार्य नहीं होने पर विरोध शुरू हो गया है। अब लोग नेताओं के आश्वासनों से परेशान होकर चुनाव मतदान बहिष्कार का ऐलान किया है।

नागरिकों को दिलाई मतदान की शपथ

गुना, देशबन्धु। स्वीप कैलेण्डर के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां जारी हैं। इसी क्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गुना प्रथम कौशिक के निर्देशन में नगर परिषद आरोन द्वारा लाल बहादुर प्रतीक्षालय बस स्टेंड आरोन में शपथ दिलाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्वीप गतिविधि नोडल शेख़ जिगर खान, सहायक नोडल गौरव ओझा, स्वीप गतिविधि स्वीप समन्वयक मुकेश झा वार्ड प्रभारी उपस्थित रहे।

कुंभराज में दिलाई अनिवार्य मतदान की शपथ : इसी क्रम में जिपं सीईओ प्रथम कौशिक के निर्देशन में विगत दिवस नगर परिषद कुंभराज द्वारा दशहरा मैदान पर आयोजित भजन संध्या में व दशहरा पर्व पर उपस्थित जनसमुदाय में उपस्थित लगभग 5000 नागरिकों को 17 नवंबर को होने वाले मतदान मे भाग लेकर शत-प्रतिशत मतदान करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर सत्येंद्र सिंह तहसीलदार कुंभराज एवं नायब तहसीलदार कुंभराज, व श्री राजोरिया थाना प्रभारी महोय कुंभराज, संतोष कुमार पाराशर मुख्य नगर पालिका अधिकारी कुंभराज एवं नगर पालिका कुंभराज के कर्मचारी उपस्थित रहे।

वृद्ध मतदाताओं को मतदान हेतु किया प्रोत्साहित : विशेष जागरूकता अभियान मिशनकार्यक्रम के अंतर्गत मतदान केंद्र क्रमांक 150, कृष्णा पब्लिक स्कूल अंतर्गत गुलाबगंज कैंट, गुना में वृद्ध मतदाताओं से आने वाले विधानसभा चुनाव पर होने वाले मतदान पर चर्चा की गयी। सभी ने उत्साह से 17 नवम्बर के मतदान करने में अपनी रूचि जाहिर की, साथ ही अपने बुजुर्ग साथियों से भी अपील की गयी कि वह भी लोकतंत्र की मजबूती के लिये वोट देने अवश्य जाए। उक्त कार्यक्रम में आशुतोष श्रीवास्तव नोडल अधिकारी, स्वीप के गोपाल कृष्ण श्रीवास्तव, संजय सोनी, अवधेश अवस्थी, अजय श्रीवास्तव, महेंद्र राठौर, राशिद फारूकी आदि उपस्थित रहे।

सौ लीटर अवैध शराब के साथ पारदी महिला गिरफ्तार

गुना, देशबन्धु। धरनावदा थाना पुलिस द्वारा हाथभट्टी की बनी 100 लीटर अवैध शराब सहित महिला आरोपिया को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत शाम पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि रूठियाई के नारोनी में चौपेट नदी किनारे एक महिला प्लास्टिक की तीन केनों में अवैध शराब लेकर उसे बेचने के लिए ग्राहक के इंतजार में बैठी हुई है।

> तीन केनों में भरी मिली कच्ची शराब

उक्त सूचना पर पुलिस की एक टीम द्वारा तत्काल मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंचकर देखा तो वहां चौपट नदी किनारे एक महिला प्लास्टिक की तीन कैने रखे हुए दिखाई दी। जो पुलिस को देखते ही केंनों को छोडक़र वहां से खिसकने लगी। लेकिन पुलिस फोर्स द्वारा जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। जिसने पूछताछ पर अपना नाम बाईका बाई पत्नि स्व. बब्लू पारदी निवासी नारोनी रूठियाई थाना धरनावदा जिला गुना की होना बताया। जिसके पास मिली तीनों केनों को चैक करने पर उनमें हाथभट्टी की बनी कुल 100 लीटर अवैध कच्ची शराब भरी हुई पाई गई। जिसे पुलिस द्वारा विधिवत जप्त कर आरोपिया को गिरफ्तार किया। जिसके विरुद्ध थाना धरनावदा में अप.क्र. 437/23 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है ।

डीपी रखने को लेकर भिड़े 2 पक्ष

गुना, देशबन्धु। आरोन थानांतर्गत ग्राम रामपुर में डीपी रखने को लेकर दो पक्ष भिड़ गए। जिसमें एक व्यक्ति के साथ गांव के ही करीब आधा दर्जन लोगों ने मारपीट कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी दिनेश शर्मा पुत्र मिश्रीलाल शर्मा ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि गत शाम वह अपने घर के बाहर खड़ा था। तभी गांव के नारायण अहिरवार, सोनू अहिरवार, प्रदीप उर्फ कल्ला अहिरवार, कबूला बाई अहिरवार आए और विद्युत डीपी रखने की बात को गाली गलौंच कर मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित को बचाने आए ममेरा भाई मोनू उर्फ केतन शर्मा के साथ भी आरोपियों ने मारपीट कर दी। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपियों पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

गांव के डाकघर हुए हाईटेक

गुना, देशबन्धु। भारतीय डाक विभाग के द्वारा दर्पण 2.0 अभियान चलाकर सभी शाखा डाकघरों को हाईटेक बना दिया गया है। अब हर 5 किलो पर एक शाखा डाकघर उपलब्ध है। सभी शाखा डाकपालों को नए एंड्रॉयड फोन प्रदान किए गए हैं जिससे अब आसानी से बैंकिंग एवं डाकघर की अन्य सुविधाओं का लाभ ग्रामीण जन ले सकेंगे एवं वित्तीय समावेशन को नई दिशा मिलेगी। डाक संभाग के अधीक्षक विनय श्रीवास्तव ने बताया कि गुना संभाग में पहले 363 शाखा डाकघर थे। अब 172 नए शाखा डाकघर खोले गए हैं एवं नई नियुक्तियां भी की गई है। अब तक शाखा डाकपालों द्वारा आर आई सी टी डिवाइस का प्रयोग शाखा डाकघर में किया जाता था जो कि 3 फीसदी नेटवर्क पर आधारित थे। जिससे कई बार नेटवर्क व बैटरी की समस्या आने के कारण ग्रामीण जनता को योजनाओं का लाभ देने में समस्या आती थी, परंतु दर्पण 2.0 के बाद इस प्रकार की सभी समस्याएं खत्म हो जाएंगी। क्योंकि अब संभाग के सभी 535 शाखाडाकघरों में नए मोबाइल फोन 5 जी स्पीड के साथ दिए हुए हैं। इस फोन के द्वारा शाखा डाकपाल गांव के व्यक्ति का लगभग 1 मिनिट में खाता खोल सकते हैं, साथ ही किसी भी बैंक खाते की निकासी सिर्फ 1 मिनिट में ग्राहकों को पोस्ट ऑफिस की एईपीएस से हो जाती हैं। इस बदलते युग में डाक विभाग भी नई तकनीक व नए युवा कर्मयोगियों के साथ जन जन तक भारत सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। नई तकनीक से प्रभावी एवं त्वरित रूप से योजनाओं का क्रियान्वयन संभव हो सकेगा ।

विचारधारा हमारी पूंजी, कार्यकर्ता हमारी शक्ति : महेंद्र सिंह

आष्टा, देशबन्धु। भाजपा के केन्द्रीय चुनाव कार्यालय का शुभारंभ सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने फीता काटा कर किया । इस अवसर पर भाजपा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए इस अवसर पर सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने अपने उद्बोधन में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी गोपाल सिंह इंजीनियर को भारी मतों से विजय बनाने के लिए अपने बूथों को जिताकर अपने प्रत्याशी कमल के फूल को जिताना है।

भाजपा की रीति नीति से प्रभावित होकर पूर्व प्रजातांत्रिक पार्टी के ब्लाक अध्यक्ष पूर्व सरपंच विक्रम सिंह मालवीय व वरिष्ठ नेता धनसिंह सिंह मालवीय अपने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके कुछ लोगों की घर वापसी भी करवाई गई।

इस अवसर पर प्रभारी बहादुर सिंह मुकाती, पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष राय सिंह सेंधव, विधानसभा प्रभारी राकेश सुराना, जिला महामंत्री धारा सिंह पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष जीवन सिंह मंडलोई,जिला मंत्री देवजी पटेल, पूर्व मंडी अध्यक्ष धर्मसिंह आर्य ,कुमेर सिंह भाटी, नगीन चंद्र जैन,बाबूलाल पटेल,नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधी रायसिंह मेवाड़ा,जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधी सोनू गुणवान, जिला उपाध्यक्ष कल्याण सिंह ठाकुर, , नगर अध्यक्ष अतुल शर्मा, सिद्दीकगंज प्रताप जाट, कोठरी मंडल अध्यक्ष रूपेश पटेल, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनिल परमार, जावर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह केशव, वीरेन्द्र सिंह ठाकूर, दौलत चौधरी रानू परमार हरेंद्र सिंह ठाकुर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

8 वर्ष पुराने वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

आष्टा, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी द्वारा इस आशय के निर्देश इकाई के समस्त थाना प्रभारियों को दिये गए है ।इसी के तारतम्य मे थाना पुलिस द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गीतेश गर्ग एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस आकाश अमलकर के मार्गदर्शन मे कार्यवाही करते हुए वारंटी को पकड़ने में सफलता प्राप्त की गई । पुलिस द्वारा 8 वर्ष पुराने प्रकरण मे पशु क्रूरता अधिनियम के आरोपी तेरे नाम उर्फ फैसल पिता बशीर खान कुरैशी जाति मुस्लिम निवासी नलखेड़ा के जारी स्थाई वारंट तामिल हेतु थाना स्तर पर गठित टीम के द्वारा विभिन्न माध्यमों से वारंटी का पता उठाकर आरोपी को नलखेड़ा से गिरफतार कर न्यायालय में पेश किया गया ।न्यायालय द्वारा जेल भेजा गया । इस सफलता मे महत्वपूर्ण भूमिका निरीक्षक पुष्पेन्द्रसिंह राठौर थाना प्रभारी, सुरेश परमार,हरिभजन, जितेन्द्र परमार, .सचिन, शिवराज,विनोद परमार, मोरसिंह की रही।

नाबालिक से दुष्कर्म के आरोपियों को 20-20 वर्ष का सश्रम कारावास

आष्टा, देशबन्धु। न्यायालय प्रथम सत्र के द्वारा अभियुक्तगण गोलू उर्फ अंजुल पिता विक्रमसिंह परमार उम्र 25 साल, बीनू उर्फ सद्दाम पिता इब्राहिम खॉ उम्र 29 साल एवं दीपू उर्फ रविन्द्र पिता लखन सिंह परमार उम्र 31 साल निवासीगण ग्राम अरनिया दाउद को धारा 5एल/6 पॉक्सो एक्ट में 20-20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 7000-7000/- रूपये अर्थदण्ड एवं धारा 366 भादवि में 5-5 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 3000-3000/- रू अर्थ दण्ड से दण्डित किया ।विशेष लोक अभियोजक, देवेन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा बताया गया कि घटना का विवरण दृ अभियोजन प्रकरण संक्षेप में यह है कि दिनांक 05 सितंबर 2022 को अभियोक्त्री ने थाना उपस्थित होकर एक लेखिय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जिस पर पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध किया था। पीड़िता ने बताया कि तीनो लोग मुझे एक खेत पर ले गये मेरे साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाकर बलात्कार किया। फरियादी की उक्त रिपोर्ट पर पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपीयो ने न्यायालय मे पेश किया था। जिला अभियोजन अधिकारी के मार्गदर्शन में आरोपीगणो को दोषसिद्ध करवाया गया। जिसमे शासन की ओर से पैरवी देवेन्द्र सिंह ठाकुर, विशेष लोक अभियोजक द्वारा की गई एवं पैरवी में सहयोग आशीष त्रिपाठी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी के द्वारा किया गया एवं उपनिरीक्षक निकिता सिंह द्वारा विवेचना की गई।

झाबुआ : सजेली रेलवे फाटक पर ट्रक ने 2 वाहनों को मारी टक्कर, 1 की मौत

झाबुआ, देशबन्धु। रतलाम रेल मंडल के थांदला रोड और मेघनगर के बीच रेलवे क्रॉसिंग पर एक तेज रफ्तार ट्रक, टेम्पो ट्रेक्स वाहन और मोटरसाइकिल को टक्कर मारते हुए रेलवे फाटक में घुस गया। जिसकी वजह से दिल्ली मुंबई अप लाइन प्रभावित हुई है। गनीमत रही कि हादसे के वक्त कोई ट्रेन रेलवे क्रॉसिंग से गुजर नहीं रही थी, अन्यथा बड़ा रेल हादसा हो सकता था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार-बुधवार रात 12 बजे के करीब थांदला-झाबुआ मार्ग पर सजेली रेल्वे फाटक पर तेज गति से आ रहे ट्रक ने फाटक पर खड़े तूफान वाहन की सवारी और बाइक सवार को जबरदस्त टक्कर मारी दी। इस हादसे में 1 बुजुर्ग की मौत व 5 लोग घायल हो गए। घटना के बाद तकरीबन 4 घंटे मुंबई दिल्ली रेल्वे ट्रैक बंद भी रहा। जिसे रेल्वे द्वारा कुछ घंटों बाद दुरुस्त कर प्रारंभ किया।

तूफान वाहन में सवार प्रत्यक्षादर्शी मुस्तफा ने बताया कि वह बदनावर से सूरत निकाह हेतु जा रहे थे। रेलवे फाटक बंद होने से वहां पर खड़े थे, तभी पीछे से तेज गति से ट्रक आया। जिसने तूफान वाहन और पास में खड़ी बाइक को जोर से टक्कर मारी। जिसमें निकाह हेतु जा रहे मुस्तफा के पिता अब्दुल हुसैन उम्र 65 वर्ष की मृत्यु हो गई। जबकि तूफान में ही सवार मुस्तफा की बहन व अन्य परिजन घायल हुए। जिसमें से एक को दाहोद रेफर किया गया।

तो वही सिविल हॉस्पिटल थांदला से प्राप्त जानकारी अनुसार बाइक सवार तीन लोगों को 108 की मदद से थांदला लाया गया। जिसमें तीन लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में उत्सव उम्र 5 वर्ष गंभीर घायल था। साथ ही सुकना व कोमल को भी गंभीर चोटे आई हैं। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया है।

भाजपा प्रत्याशी राय ने किया जनसंपर्क

सीहोर, देशबन्धु। जनता की सेवा के साथ ही क्षेत्र का विकास ही हमारा संकल्प है। भाजपा ने हर वर्ग के लिए जनकल्याणकारी नीतियों को लागू कर सभी वर्ग में विश्वास पैदा किया है। यह विचार बुधवार को भाजपा प्रत्याशी विधायक सुदेश राय सीहोर विधानसभा के ग्रामीण जनसंपर्क के दौरान कहे।

बुधवार की दोपहर ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क के दौरान पहुंचे श्री राय को ग्रामीण और पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह के साथ कदम से कदम मिलाकर जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान अनेक ग्रामीण इलाकों में भव्य स्वागत किया गया। भाजपा प्रत्याशी विधायक श्री राय ने बैरागढ़ खुमान से अपने जनसंपर्क का श्रीगणेश किया था।

इसके पश्चात सीहोर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बर्री, रायपुर, सौंडा, घाटपलासी, पान विहार, रावनखेड़ा, पठार, कादराबाद, सरखेड़ा और खंडवा आदि पहुंचे। भाजपा प्रत्याशी गुरुवार को मुख्तारनगर से सुबह साढ़े 11 बजे अपने दौरे की शुरूआत करेंगे।

इस मौके पर क्षेत्र के गुलखेड़ी, बिछिया, निवारिया, मूंजखेड़ा, मित्तुखेड़ी, सिराड़ी, जाजनखेड़ी, खजुरिया खुर्द, बैरागढ़ गणेश, कादमपुर, खजूरिया कला आदि में जनसंपर्क करेंगे और इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावा ग्रामीणों से चर्चा करेंगे।

कांग्रेस प्रत्याशी पटेल ने किया मतदाताओं से सम्पर्क

इछावर, देशबन्धु। इछावर विधानसभा में लगातार जनता के मध्य रहने वाले और उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान करने वाले कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल के मैदान में उतारने से युवा कार्यकर्ताओं में जोश है। पूरे विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ता क्षेत्र में परिवर्तन और विकास के लिए मतदाताओं के मध्य पहुंच रहे है। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व विधायक श्री पटेल ने अपने सैकड़ों की संख्या में समर्थकों के साथ क्षेत्र के आलमपुरा, भैंसाखेड़ी टिटोरा, भोजनगर, रामाखेड़ी में जनसंपर्क किया और इसके बाद दोपहर में बिलकिसगंज में ब्लाक समिति की बैठक का आयोजन किया गया। चुनावी जनसंपर्क के दौरान पूर्व विधायक श्री पटेल ने कहा कि यदि क्षेत्र की जनता उनको वोट देकर सेवा का अवसर देती है तो वह न केवल 24 घंटे जनता के लिए उपलब्ध होंगे, अपितु क्षेत्र में वास्तविक विकास होगा, जो कि उनकी प्राथमिकता में शामिल है।

इसके अलावा किसी भी क्षेत्रीय निवासी की व्यक्तिगत तकलीफ में भी वह बराबर से भागीदार रहेंगे। उनके साथ जनसंपर्क में भारी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद थे। इस मौके पर पूर्व विधायक श्री पटेल ने कांग्रेस के पक्ष में वोट देने की अपील की और लोगों ने भी पूर्ण उत्साह में उनका स्वागत किया।

विधानसभा चुनावः नरेला से 'आप' की रईसा और निर्दलीय बाबू ने भरा नामांकन

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल में बुधवार को स्थानीय अवकाश होने के बावजूद विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन भरे गए। आज नरेला विधानसभा से आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी रईसा मलिक और निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर पूर्व पार्षद बाबू मस्तान ने नामांकन भरा। इसी विधानसभा से दो अन्य उम्मीदवारों ने नामांकन भरे, गोविंदपुरा विधानसभा के लिए भी एक नामांकन जमा हुआ। इस तरह भोपाल में अब तक 6 नामांकन भरे जा चुके हैं।

निर्दलीय प्रत्याशी बाबू मस्तान पत्नी मर्सरत के साथ रिटर्निंग अधिकारी के दफ्तर में पहुंचे और अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इनके कुछ देर बाद ही

ढोल-ढमाकों के साथ पहुंचे

आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी रईसा मलिक भी ढोल ढमाकों के साथ नामांकन भरने पहुंच गईं। दोपहर 3 बजे तक दोनों ने अपने नामांकन दाखिल कर दिए थे। गौरतलब है कि रईसा मलिक नगर निगम महापौर का चुनाव भी लड़ चुकी हैं। हालांकि, उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। वहीं आज गोविंदपुरा विधानसभा से भी निर्दलीय के तौर पर एक प्रत्याशी ने नामांकन जमा किया है। उन्होंने ऑनलाइन आवेदन भरा था, जिसकी प्रतिलिपि रिटर्निंग अधिकारी को सौंपी।

अब तक इतने आवेदन

विधानसभा चुनाव के अब तक नरेला विधानसभा से सबसे ज्यादा चार नामांकन दाखिल हो चुके हैं। वहीं, गोविंदपुरा और मध्य से एक-एक नामांकन भरा गया है। इस तरह अब तक 6 नामांकन भरे जा चुके हैं। वहीं बैरसिया, भोपाल उत्तर, भोपाल दक्षिण-पश्चिम और हुजूर से अब तक एक भी नामांकन नहीं भरा गया है।

आमिर के नामांकन लेने से चर्चाओं का बाजार गर्म

उधर भोपाल उत्तर विधानसभा क्षेत्र से वर्तमान में विधायक आरिफ अकील के भाई आमिर अकील ने भी बुधवार को नामांकन फार्म लिया। इसके बाद चर्चा ओं का बाजार गर्म हो गया। चूंकि यहां से कांग्रेस ने यहां से विधायक आरिफ अकील के बेटे और आमिर के भतीजे आतिफ अकील को अधिकृत प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में आमिर द्वारा नामांकन लेने से कई अटकलें लगाई जा रही हैं।

विधानसभा क्षेत्रों के लिये सामान्य प्रेक्षक नियुक्त

भोपाल, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन हेतु जिले की 7 विधानसभा क्षेत्रों के लिये सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किये है। भारत निर्वाचन आयोग ने बैरसिया विधानसभा क्षेत्र के लिए कांतीलाल डाडे को सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया है , इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में सत्य प्रकाश सैनी और मनोज चौधरी रहेंगे। भोपाल उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लिए राजेश कुमार यादवको सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया है, इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में प्रदीप तिवारी और ए. नागले नियुक्त किया गया है । नरेला विधान सभा क्षेत्र के लिए प्रवीण एन गोदाम को सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया है, इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में अजय कुमार श्रीवास्तव और पूरन सिंह रहेंगे । इसी प्रकार भोपाल दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लिए ज्योति प्रकाश दास को सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया है, इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में मनोज कुमार मिश्रा सचिन गजविये को पदस्थ किया गया है । भोपाल मध्य विधानसभा क्षेत्र के लिए दीपेन्द्र कुमार को सामान्य प्रेक्षक और इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में सुधीर श्रीवास्तव और शाहिद खान कार्य करेंगे ।गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के लिए संदीप जे जैकस सामान्य प्रेक्षक और इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में बीएस कुशवाहा और केसी. जयसवाल रहेंगे । हुजूर विधानसभा क्षेत्र के लिए तलत परवेज़ सामान्य प्रेक्षक और इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में सुनील सोलंकी और अखिलेश चतुर्वेदी नियुक्त किया गया है । वहीं जिले के समस्त 7 विधानसभा क्षेत्रों के लिए डॉ मनोज कुमार को पुलिस प्रेक्षक नियुक्त किया है। इनके लाइजनिंग अधिकारी के रूप में डॉ अजय रामटेके एवं ब्रजेश शर्मा को नियुक्त किया है।

रैली निकाल कर दिया मतदान करने का संदेश

उधर जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह के निर्देशानुसार जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप प्लान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से पिछड़ा वर्ग बालिका छात्रावास की छात्राओं द्वारा रैली निकाल कर मतदान का महत्व और जानकारी दी। साथ ही मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जागरूक करने के साथ निर्भीक, निष्पक्ष और नैतिक मतदान की शपथ भी दिलाई।

देवी प्रतिमाओं का विसर्जन जारी, चल समारोह निकला

आकर्षक प्रतिमाओं और झिलमिलाती झांकियों ने किया मंत्रमुग्ध

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी में शक्ति की भक्ति की उपासना का नौ दिवसीय पर्व शारदीय नवरात्री का सोमवार को समापन होने के बाद शहर में जगह-जगह स्थापित देवी प्रतिमाओं के विसर्जन सिलसिया शुरु हो गया था, जो बुधवार को भी जारी रहा। इस बीच बुधवार रात पुराने शहर में परंपरागत विसर्जन चल समारोह भी निकाला गया। इसमें कई छोटी-बड़ी आकर्षक देवी प्रतिमाएं और विभिन्न प्रंसगों पर आधारित विद्युत चलित झिलमिलाती झांकियां शामिल हुई। समाचार लिखे जाने तक यह चल समारोह जारी था।

नवरात्र पर स्थापित प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए प्रशासन द्वारा सात घाटों पर व्यवस्था की गई है। यहां मंगलवार के बाद बुधवार को दिन भर विभिन्न स्थानों की प्रतिमाएं विसर्जन के लिए लाई जाती रही। गाजे-बाजे के साथ पहुंची इन प्रतिमाओं को क्रेन की मदद से विसर्जित किया गया। वहीं देर शाम नादरा बस स्टेण्ड चौराहे से विसर्जन चल समारोह भी शुरु हुआ। इसमें पुराने और नए शहर के क्षेत्रों की कई छोटी-बड़ी देवी दुर्गा और काली की

प्रतिमाओं के साथ ही धार्मिक प्रसंगों पर आधारित विद्युत चलित झांकियां भी शामिल हुई। इन्हें देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। इन प्रतिमाओं के स्वागत और सम्मान के लिए चल समारोह के मार्ग में विभिन्न संगठनों द्वारा मंच लगाए गए है। यह चल समारोह हमीदिया मार्ग, रेलवे स्टेशन, भारत टाकील, सेंट्रल लाइब्रेरी, इतवारा, ट्रांसपोर्ट एरिया, मंगलवारा, हनुमानगंज, जवाहर चौक, जुमेराती, सिंधी मार्केट, सोमवारा, मोती मस्जिद, रेतघाट, कमला पार्क होते हुए गुरुवार सुबह छोटी झील के रानी कमलापति घाट पहुंचेगा। यहां प्रमिओं का विसर्जन किया जाएगा। वहीं विसर्जन का सिलसिला कल दिन भर चलेगा।

एलएनसीटी वर्ल्ड में एथलेटिक मेगा इवेंट आज से

भोपाल, देशबन्धु। एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल द्वारा आयोजित सीबीएसई क्लस्टर 12 स्टेट लेवल एथलेटिक प्रतियोगिता का उद्घाटन 26 अक्टूबर को एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल के एथलीट मैदान पर किया जाएगा। प्रतियोगिता के सचिव सागर रायकवार ने बताया कि इस एथलेटिक प्रतियोगिता में अंडर 14 अंडर 17 अंडर 19 आयु वर्ग से मुख्यता भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, नर्मदापुरम, उज्जैन सागर, के साथ साथ संपूर्ण मध्य प्रदेश से 1456 स्कूली छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी स्कूलों के खिलाड़ी दिनांक 25 अक्टूबर को भोपाल पहुंच रहे है। प्रतियोगिता में सौ, 2 सौ, 4 सौ, 8 सौ, 15 सौ 3 हजार और 5 हजार मीटर की दौड़ के साथ-साथ लॉन्ग जंप, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो,हाई जंप, के आयोजन भी होंगे। इस प्रतियोगिता में विजेता छात्र खिलाड़ी सीबीएसई की नेशनल एथलेटिक प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई होंगे।

जोर पकड़ने लगी ठंड, तापमान गिरा

भोपाल, देशबन्धु। *इस मौसम में पहली बार बंगाल की खाड़ी एवं अरब सागर में दो तीव्रतम चक्रवाती तूफान बने हुए हैं। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक इनके कारण नम हवाएं इकट्ठी हो रही हैं। यही वजह है कि मध्य प्रदेश में लगातार उत्तरी हवाएं आ रही हैं। इससे तापमान में गिरावट हो रही है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक तापमान में गिरावट का सिलसिला अभी जारी रह सकता है।*

मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी एचएस पांडे ने बताया कि वर्तमान में बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में तीव्रतम चक्रवाती तूफान बने हुए हैं। हालांकि इनका मप्र के मौसम पर असर नहीं है। उधर इन तूफानों के आसपास नम हवाओं का समूह इकट्ठा होने के कारण प्रदेश में उत्तरी हवाएं आ रही हैं। इस वजह से न्यूनतम तापमान में गिरावट का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में बुधवार को प्रदेश में सबसे कम 14.1 डिग्री सेल्सियस तापमान छिंदवाड़ा एवं मलाजखंड में दर्ज किया गया। इन दो शहरों के अलावा राजगढ़, रायसेन, बैतूल, मंडला, रीवा में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया है। वहीं राजधानी में रात का तापमान 16 डिग्री सेल्सियस पर रहा, जो इस मौसम का सबसे कम तापमान है। उधर, प्रदेश में सबसे अधिक 33.8 डिग्री सेल्सियस तापमान धार में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानी के मुताबिक अभी तीन-चार दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रहने की संभावना है। इस दौरान प्रदेश में रात के तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है।

भोपाल पहुंची फैज ए नूर साइकिल यात्रा

भोपाल, देशबन्धु। पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरुक करने के उद्देश्य से गुरुद्वारा मोती बाग दिल्ली से 21 अक्टूबर को रवाना हुए 19 सिखों का जत्था बुधवार को गुरुद्वारा नानकसर हमीदिया रोड भोपाल पहुंचा। इसे फैज ए नूर साइकिल यात्रा नाम दिया है। 1400 किलो मीटर की यात्रा कर भोपाल पहुंचे इस जत्थे का सिख समाज ने जोरदार स्वागत किया। यात्रा का नेतृत्व सरदार जगदीप सिंह पुरी कर रहे हैं। यात्रा में शामिल सदस्य रात्रि विश्राम भोपाल में ही करेंगे और 26 अक्टूबर की सुबह लिए रवाना होंगे। यह यात्रा 29 अक्टूबर को सिखों के पांचवें तख्त श्री हुजूर साहिब नांदेड़ पहुंचेगी। यह जत्था अब तक सिखों के चार तख्त साहब की यात्रा कर चुका है। यात्रा के दौरान इस जत्थे ने सिख समाज के बच्चों को बताया कि उन्हें सिख स्वरूप में ही रहना चाहिए।

परिवार रावण दहन देखने गया था चोरों ने घर में बोला धावा

ताले तोड़कर उड़ाया डेढ़ लाख का माल

भोपाल, देशबन्धु। गोविंदपुरा इलाके में शातिर चोरों ने एक व्यापारी के सूने मकान में धावा बोला और करीब डेढ़ लाख कीमत का सामान समेटकर फरार हो गया। बताया गया है कि घटना के समय व्यापारी का पूरा परिवार घर पर ताला लगाकर रावण दहन देखने गया था। घटना की शिकायत मिलने पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

गोविंदपुरा थाना पुलिस ने बताया कि पंक्षी विहार बरखेड़ा पठानी में 40 वर्षीय ज्योति चौरसिया अपने परिजनों के साथ रहती हैं। उनके पति नाश्ते की दुकान चलाते है। मंगलवार शाम विजयादशमी के मौके पर पूरा परिवार घर में ताला लगाकर रावण दहन देखने के लिए दशहरा मैदान चला गया था। इसी दरमियान शातिर चोरों ने उनके घर के मुख्य दरवाजे का ताले तोड़कर भीतर प्रवेश किया और उसके बाद अंदर कमरों में लगे ताले भी तोड़ दिए। उन्होंने अलमारी के ताले भी तोड़े और उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात और 25 हजार रुपये नकदी चुराकर भाग गए। रात में जब व्यापारी और उसके परिजन वापस घर लौटे, तब उन्हें घटना का पता चला। इसके बाद उन्होंने पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उनकी शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरु कर दी है।

इधर, कमला नगर के रेडियो कालोनी में रहने वाले राहुल लोवंशी के आवास में हुई चोरी का भी पुलिस कोई सुराग नहीं लगा पाई है। बुधवार को अंगुली चिन्ह विशेषज्ञों की टीम ने पहुंचकर घर से कुछ निशान लिए हैं। इनके आधार पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश में एक टीम लगाई है।

युवक को ऋण का लालच दिया और खाते से उड़ा लिए 59 हजार रुपए

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी में साइबर धोखाधड़ी का अनूठा मामला सामने आया है। इसमें शातिर जालसाल खुद एक युवक से मिला और उसे यूपीआइ एप से ऋण देने का लालच देकर उसके खाते से 59 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित युवक की शिकायत पर करीब 13 माह बाद अवधपुरी थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी के मोबाइल नंबर के आधार पर उसकी तलाश की जा रही है।

अवधपुरी थाना पुलिस के मुताबिक 35 वर्षीय भोला राम ऋषिपुरम कालोनी में फुल्की का ठेला लगाता है। सितंबर 2022 में उसके ठेले पर एक व्यक्ति आया और उससे कहा कि यूपीआइ एप के उपयोग से उसे 60 हजार रुपये के ऋण का आफर मिला है। वह अपनी बैंक संबंधित पूरी जानकारी अपने मोबाइल से भर दे तो उसे 50 हजार रुपए अभी मिल जाएंगे, शेष राशि दो दिन बाद मिलेगी। इसके साथ ही उसने भोलाराम से कहा कि लाओ, अपना मोबाइल दो, मैं खुद जानकारियां भर देता हूं। उसकी बात पर भरोसा कर भोलाराम ने जेब से मोबाइल निकालकर उसे दे दिया। उसने थोड़ी देर मोबाइल पर जानकारी भरने का नाटक किया, बाद में यह कहकर भोलाराम को मोबाइल वापस कर दिया कि उसका मोबाइल हैंग कर रहा है। साथ ही कहा कि वह अपने मोबाइल से पूरी जानकारी भर देगा और भोलाराम की जानकारी लेकर चला गया। कुछ देर में भोलाराम के पास उसके बैंक खाते से 59 हजार रुपये निकलने का संदेश आया। इस पर उसने जब उस व्यक्ति के मोबाइल नंबर पर फोन किया तो वह बंद था। इसके बाद उसने साइबर थाने में शिकायत कर दी। इस मामले में 13 माह बाद साइबर क्राइम से नस्ती अवधपुरी थाने पहुंची और उस पर प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु की गई।

2 चचेरे भाईयों को तेज रफ्तार कार ने कुचला, एक की मौत

दूसरे की हालत नाजुक, कार चालक फरार

भोपाल, देशबन्धु। इंदौर के नजदीक पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र से मोटर साइकिल पर सवार होकर सागर जा रहे दो चचेरे भाईयों को सूखी सेवनिया में स्कॉर्पियो कार ने कुचल दिया। इस हादसे में गंभीर रूप से जख्मी दोनों भाइयों का इलाज हमीदिया अस्पताल में चल रहा था। जहां उपचार के दौरान बुधवार को तड़के एक भाई की मौत हो गई। वहीं दूसरे की हालत नाजुक बनी हुई है।

पुलिस के मुताबिक जगदीश पटेल पुत्र खुमान सिंह पटेल उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम सानोदा, जिला सागर विवाहित था। वह पीथमपुर में स्थित एक फैक्ट्री में नौरकी करता था। वहां उसका चचेरा भाई रामरत्न पटेल उम्र 32 वर्ष भी उसी के साथ नौकरी करता था और दोनों एक ही कमरे में किराए से रहते थे। दोनों भाई दशहरा पर्व परिवार के साथ मनाना चाहते थे। लिहाजा रविवार को दोनों पीथमपुर से मोटर साइकिल पर सवार होकर सागर के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान सूखीसेवनिया के भदभदा घांटी पर उन्हें सामने से आ रही स्कार्पियो कार ने जोरदार टक्कर मार दी थी। घटना के बाद आरोपी चालक मौके पर ही वाहन को छोड़कर फरार हो गया था। राहगीरों ने 108 की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भेज दिया था। जहां बुधवार तड़के इलाज के दौरान जगदीश की मौत हो गई, जबकि राम रत्न की हालत नाजुक बनी हुई है। सूखी सेवनिया पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने टक्कर मारने वाली कार को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा कर लिया है और आरोपी चालक घटना के बाद से फरार आरोपी चालक की तलाश शुरु कर दी है।

5 साल पहले हुई थी शादी

बताया गया है कि जगदीश की शादी पांच साल पहले हुई थी। उसकी कोई संतान नहीं थी। करीब तीन महीने पहले वह आखिरी बार गांव गया था। लिहाजा उसने दशहरा त्योहार परिवार के साथ मनाने का फैसला लिया था। इसके लिए उसने फैक्ट्री से छुट्टी ली और मोटर साइकिल से गांव के लिए रवाना हुआ। करीब ढाई सौ किलो मीटर का सफर तय करने के बाद भोपाल के सूखी सेवनिया में हादसे का शिकार हो गया है।

दिव्यांगजनों को सिविल सेवा परीक्षा के लिये प्रोत्साहन राशि मिलेगी

भोपाल, देशबन्धु। दिव्यांगजन प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत दिव्यांग्जन व्यक्तियों के लिये सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना प्रदेश सरकार द्वारा संचालित है।

योजना के तहत नि:शक्त व्यक्तियों द्वारा सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा देने के लिये 20 हजार रूपये, मुख्य परीक्षा दिलाने के लिये 30 हजार रूपये और अंतिम चयन होने पर राज्य शासन द्वारा 20 हजार रूपये दिये जाते हैं। योजना का लाभ उन्हीं नि:शक्तजनों को दिया जाता है, जो मध्यप्रदेश के मूल निवासी हैं। सिविल सेवा की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद परीक्षा परिणाम तक सहायता राशि दी जाती है। उन्हीं आवेदनों को सहायता दी जाती है, जो 40 प्रतिशत या उससे अधिक नि:शक्तता रखता हो मेडीकल बोर्ड का प्रमाण पत्र मान्य होगा।

योजनाओं के के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य

भोपाल, देशबन्धु। दिव्यांगो के लिए संचालित सभी योजनाओं में समग्र पोर्टल पर आधार ई-केवाईसी अनिवार्य कर दिया गया है । अब किसी भी हितग्राही को विभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए समग्र पोर्टल पर स्वयं का आधार ई-केवाईसी करना होगा। समग्र पोर्टल पर आधार ई-केवाईसी के बाद ही विभागीय पोर्टल पर आवेदन दर्ज हो सकेगा। जिन योजनाओं में ऑनलाइन प्रणाली नहीं है, उनमें आवेदन को स्वीकृत करने से पहले संबंधित स्वीकृतकर्ता अधिकारी द्वारा समग्र पोर्टल पर आधार ई-केवाईसी की पुष्टि की जायेगी। पुष्टि के बाद ही नियमानुसार स्वीकृति प्रदान की जायेगी।

लायंस क्लब भोपाल ने लगाए 251 पौधे

भोपाल, देशबन्धु। लायंस क्लब भोपाल ने महाकालेश्वर स्टेट कल्याणपुर कॉलोनी में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया।लायन आर्किटेक्ट वैशाली मिश्रा ने बताया कि इस कॉलोनी के पार्क का नाम लायंस पार्क दिया गया है। सघन वृक्षारोपण किया गया। इस वृक्षारोपण में लायंस क्लब भोपाल के समस्त पदाधिकारियों ने लगभग 251 पौधे लगाए गए हैं, जिसमें नीम,पीपल, आंवला, करंजी, कचनार आदि प्रमुख थे। इस मौके पर लायंस क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन जेपीएस जौहर विशेष रूप से उपस्थित थे। वृक्षारोपण के पश्चात पेड़ पौधों की नियमित देखभाल कालोनी प्रबंधन करेगी।

भोपाल, गुरूवार 26 अक्टूबर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

मणिपुर त्रासदी से 'व्यथित' मोहन भागवत

उत्तर पूर्वी राज्य मणिपुर में हुए मैतेई-कुकी संघर्ष से उत्पन्न त्रासदी से लोग बहुत व्यथित हुए थे। इस साल के मई महीने से जारी साम्प्रदायिक दंगों में सैकड़ों मारे गये हैं, हजारों बेघर हुए हैं, अनेक पूजा स्थलों को नुकसान पहुंचा और करोड़ों रुपयों की सम्पत्ति नष्ट हुई है। इसने पूरे देश को ही नहीं वरन दुनिया भर को हिलाकर रख दिया था। अनेक देशों में भी इन दंगों की गूंज सुनाई दी थी। विश्व भर के कई अखबारों ने इस घटना को विस्तार से छापा था। इसके बावजूद इस घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी खामोश रही, उसके नेता खामोश रहे। केन्द्र सरकार मौन थी और मणिपुर सरकार ने भी इस घटनाक्रम को दबाये रखा था। 3 मई का अगर वह वीडियो वायरल न होता तो शायद यह पूरा का पूरा घटनाक्रम दफ्न कर दिया जाता, जिसमें दो कुकी महिलाओं को नग्न कर उनकी परेड निकाली गई थी। उसके पहले उनका उत्पीड़न हुआ था। मीडिया से दूर भागने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी संसद के विशेष सत्र के पहले संक्षिप्त बयान संसद भवन के बाहर देना पड़ा था, क्योंकि इसका संज्ञान स्वयं सुप्रीम कोर्ट ने लिया था। मोदी ने दुख भरे स्वरों में कहा कि इस घटना से उन्हें बहुत पीड़ा पहुंची है।

और भी जिन लोगों को इस घटना से पीड़ा पहुंची, उनमें अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का नाम भी शामिल हो गया है। विजयादशमी को अपना परम्परागत भाषण देते हुए भागवत ने 'इस घटना के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ' बताया। साथ ही उन्होंने केन्द्र सरकार की असफलता को एक तरह से कबूल करते हुए कहा कि 'गृह मंत्री अमित शाह को वहां जाना चाहिये, मंत्रियों को जाकर बैठना चाहिये।' मणिपुर की घटना को उन्होंने भारत की अखंडता और एकता से भी जोड़ दिया। सम्भव है कि इस बयान के पीछे लोगों को भागवत की सदाशयता, दंगा पीड़ितों के प्रति सहानुभूति या प्रेम भाव दिखे परन्तु उनके इस बयान की तह में जाने की आवश्यकता है तभी इसकी विसंगतियां और संघ प्रमुख की मंशा साफ होगी।

पहली बात तो यह है कि स्वयं भागवत को इस बात का जवाब देना चाहिये कि उन्हें इतने दिनों के बाद इस घटना की याद क्यों आई और उन्हें यह क्योंकर महसूस हुआ कि शाह एवं अन्य मंत्रियों को वहां जाना चाहिये? क्या इस घटना की जानकारी संघ प्रमुख को अब जाकर हुई है? सच तो यह है कि यह निर्देश उन्हें आज से 2 माह पहले देना चाहिये था जब यह घटना जगजाहिर हुई थी। अगर उनके कहे के बाद भी सरकार का कोई नुमाईंदा वहां नहीं जाता तो स्वयं भागवत को वहां जाना चाहिये था और पीड़ितों से मिलना चाहिये था। आदिवासियों के प्रति प्रेम दिखलाने वाले और संघ के मुखिया होने के नाते उन्हें अपने कार्यकर्ताओं को भी निर्देश देना था कि वे वहां जाकर पीड़ितों की सेवा करें। भागवत के मौन रहने का कारण सम्भवत: यही है क्योंकि वहां के संघर्ष में ज्यादातर कुकी ही पीड़ित हैं जो कि ईसाई समुदाय के हैं और उत्पीड़क मैतेई हिन्दू। यह स्थिति संघ के सामाजिक एवं भाजपा के राजनैतिक एजेंडे के एकदम मुफ़ीद है जिसके माध्यम से उनका साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का लक्ष्य सधता है।

दूसरे, इस पर भी गौर करना चाहिये कि यह बयान वैसे तो संघ के सालाना जलसे में दिया गया है पर उसके पीछे एक कारण यह भी साफ दिखता है कि अगले माह होने जा रहे 5 राज्यों (राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम) के विधानसभा चुनावों में भाजपा की हालत बहुत नाज़ुक है। भाजपा का नफ़रती एवं विभाजनकारी एजेंडा लोगों के सामने बहुत स्पष्ट हो गया है। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक के चुनावों में भाजपा को मिली पराजयों के बाद अगर इन राज्यों में उसकी स्थिति ठीक रहती तो शायद संघ व भाजपा उस एजेंडे को आगे बढ़ाते परन्तु सम्भवतया संघ को अब एहसास हो गया होगा कि उस पिच पर लम्बी पारी खेलना बहुत मुश्किल है; जीतना तो और भी दूर की बात है।

विदेशी शक्तियों का उल्लेख कर भागवत अपनी सरकार को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर ऐसा है तो इसकी जिम्मेदार भी मोदी सरकार की है। फिर, केन्द्र के साथ मणिपुर में भी तो उन्हीं की यानी कि भाजपा की सरकार है। जिस तरह से अब तक भाजपा के नेता डबल इंजिन की सरकारों को महिमा मंडित करते आये हैं, तो भागवत को स्वीकार करना चाहिये कि दोनों ही इंजिन नाकाम साबित हुए हैं और अब इन्हें बदलने की ज़रूरत है। याद हो कि सीमावर्ती राज्यों में होने वाली घुसपैठ पर यही आरएसएस और ये ही नेता विपक्षी सरकारों-दलों को पानी पी-पीकर कोसते थे। उनका आरोप होता था कि बाहरी तत्व गैर भाजपायी केन्द्र-राज्यों की सरकारों की सांठगांठ से भारत आकर गड़बड़ियां करते हैं। भागवत आज क्या कहेंगे? उम्मीद है कि संघ अब समस्या की गहनता से वाकिफ़ हो चुके होंगे।

इस बयान का कारण संघ प्रमुख की यह चिंता भी हो सकती है कि इन पांच राज्यों के चुनावों के परिणामों का असर, जो 3 दिसम्बर को घोषित होंगे, 2024 के लोकसभा चुनावों पर पड़ना तय है। इन राज्यों के साथ आगामी लोकसभा चुनावों के तमाम सर्वे जिस तरह के परिणामों का अनुमान लगा रहे हैं, संघ प्रमुख का चिंतित होना लाजिमी है। कोई यह न समझे कि भागवत का बयान सदाशयता व समरसता के लिये या फिर वाकई देश की अखंडता-एकता को उत्पन्न कथित खतरे की चिंता में दिया गया है। इसके सामाजिक नहीं वरन राजनैतिक निहितार्थ हैं।

जंग की आग में फिल्म का प्रचार

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

अपनी फिल्म के प्रमोशन के चक्कर में अभिनेत्री कंगना रनौत ने देश के लिए अजीबोगरीब स्थिति पैदा कर दी है। दुनिया के सामने भारत को लगभग शर्मिंदा करने के हालात बना दिए हैं। दरअसल कंगना रनौत की फिल्म तेजस इस शुक्रवार को प्रदर्शित होने वाली है। मार्केटिंग के युग में फिल्में भी बिना प्रचार-प्रसार और प्रमोशन के नहीं चलती हैं। पहले फिल्म के वितरक और जिन सिनेमाघरों में फिल्में लगती थीं, उनके मालिकान लाउडस्पीकर को कस्बों-शहरों में घुमाकर नयी फिल्म के आने की जानकारी दे दिया करते थे। प्रदर्शन से पहले फिल्मों के लुभावने पोस्टर शहर भर में टंग जाया करते थे। लेकिन अब सोशल मीडिया का जमाना है, जहां अलग-अलग प्लेटफार्म्स पर जाकर अभिनेता-अभिनेत्रियां अपनी फिल्मों, वेब सीरीज या धारावाहिकों की जानकारियां दिया करते हैं, इसके अलावा कभी मॉल्स तो कभी बाजारों में खुद जाकर अपनी फिल्म के बारे में जानकारी देते हैं। चूंकि कंगना की फिल्म दशहरे के मौके पर आ रही थी तो रामलीला का मंच भी फिल्म के प्रचार के लिए इस्तेमाल हो गया। दशहरे पर राम और रावण दो ही मुख्य किरदार होते हैं, तो कंगना ने लगे हाथ रावण को मौजूदा वैश्विक हालात से जोड़कर बता दिया कि वो किसे राम मानती हैं।

कंगना रनौत ने इजरायल और फिलिस्तीन के बीच चल रही विनाशकारी जंग में हमास को आधुनिक रावण बता दिया है। दरअसल कंगना रनौत ने नयी दिल्ली में इजरायली राजदूत नाओर गिलोन से मुलाकात की है। जिसकी फोटो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट और ट्विटर पर शेयर की हैं। कंगना ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा कि 'आज पूरी दुनिया, ख़ासकर इज़रायल और भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी जंग लड़ रहे हैं। कल जब मैं रावण दहन करने दिल्ली पहुंची, तो मुझे लगा कि इजरायली एम्बेसी आकर उन लोगों से मिलना चाहिए जो आज के आधुनिक रावण हमास जैसे आतंकवादियों को परास्त कर रहे हैं। जिस प्रकार से छोटे बच्चों को, महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा हैं, ये दिल को झकझोर देने वाला है। मुझे पूरी उम्मीद हैं आतंकवाद के ख़िलाफ इस युद्ध में इज़रायल विजयी होगा।

वैसे ये पहली बार नहीं है, जब कंगना ने इजरायल के समर्थन में इस तरह बयान दिया। हमास के हमले के बाद भी उन्होंने इजरायल के साथ अपनी सहानुभूति दर्शाई थी। दरअसल कंगना रनौत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नक्शेकदमों पर ही हैं। श्री मोदी ने भी सबसे पहले इजरायल के समर्थन में बयान दिया था और फिलिस्तीन के लिए कुछ नहीं कहा था। दुनिया में इससे सही संदेश नहीं गया, ये बात जैसे ही विदेश मंत्रालय को समझ आई, उसने भूल सुधार करते हुए पांच दिन बाद बयान दे दिया कि भारत शांति के पक्ष में है और फिलिस्तीन को उसका हक मिलने का समर्थन करता है। प्रधानमंत्री के बयान पर तो भूल-चूक माफ वाले अंदाज में काम हो गया। लेकिन अब कंगना रनौत के बयान को कैसे संभाला जाएगा। वैसे तो स्वतंत्र देश की स्वतंत्र नागरिक होने के नाते कंगना रनौत को पूरा हक है कि वे अपनी राय बेरोकटोक जाहिर कर सकें। मगर ये सारी बातें उन्होंने इजरायली राजदूत से मुलाकात के बाद कही हैं। इसके बाद दुनिया में सवाल उठ सकते हैं कि आखिर भारत का पक्ष क्या है। वैसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने फिर दोहराया है कि वह फिलिस्तीन को मदद भेजना जारी रखेगा और उसके साथ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने पर काम करता रहेगा। लेकिन घरेलू मोर्चे पर फिल्म के प्रमोशन के लिए एक गंभीर अंतरराष्ट्रीय मसले को जिस तरह घसीटा गया है, वह किसी लिहाज से सही नहीं है।कंगना रनौत ने भले ही भाजपा की निगाह में चढ़ने के लिए, सरकार को अंध समर्थन देने के लिए इस तरह का बयान दिया हो, लेकिन असल में इससे देश की किरकिरी होने के आसार ही बने हैं। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते भी कंगना से ये सवाल किया जा सकता है कि जब उन्हें इजरायली महिलाओं और बच्चों पर हमास के अत्याचार दिखे हैं और उनका दिल इससे टूटा है, तो क्या उन्हें फिलिस्तीनी बच्चों और वहां के निर्दोष नागरिकों की चीख-पुकार से जरा भी फर्क भी नहीं पड़ा। जिस तरह इजरायल फिलिस्तीन में राहत शिविरों, अस्पतालों, मस्जिदों, चर्च को निशाना बना रहा है, सैकड़ों बच्चों को मारा जा चुका है, क्या ये सब देखकर कंगना रनौत का दिल नहीं टूटता। हमास को रावण कह देना और उसके खात्मे की कामना करना, एक जटिल मुद्दे का अतिसरलीकरण है।

> भारत में प्रधानमंत्री मोदी ने कश्मीर फाइल्स, केरला स्टोरीज और वैक्सीन वॉर जैसी फिल्मों का प्रमोशन चुनावी मंचों से किया, यहां तक तो ठीक था, लेकिन आश्चर्य की बात ये है कि अब इजरायली राजदूत को भी फिल्म प्रमोशन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसी घटनाओं से वैश्विक मंच पर भारत की कैसी छवि बनेगी, ये विचारणीय है।

कंगना रनौत चाहे जितने तरीकों से अपनी फिल्म का प्रचार कर लें, लेकिन कम से कम उन्हें जंग की आग में अपनी फिल्म को चमकाने की कोशिश नहीं करना चाहिए थी। वैसे भी इस बार दशहरे पर उन्होंने इतिहास रच ही दिया है। दिल्ली की लवकुश रामलीला में इस बार कंगना ने रावण के पुतले पर तीर चलाए। ये और बात है कि तीन बार की कोशिश के बाद भी जब उनसे तीर नहीं चला तो रामलीला कमेटी के ही एक सदस्य ने उनकी मदद की। इस वजह से सोशल मीडिया पर कंगना रनौत का खूब मजाक भी उड़ रहा है। अब कंगना कोई पेशेवर तीरंदाज तो हैं नहीं जो उनसे तीर चलाया जाएगा, इसलिए उनका इस वजह से मजाक उड़ाना सही नहीं है। लेकिन फिर भी लोगों ने उन पर फब्तियां कसने का मौका इसलिए नहीं छोड़ा क्योंकि कंगना रनौत सुर्खियों में बने रहने के लिए जिस तरह की बयानबाजी करती हैं, उसमें उनका पक्षपात, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद को बढ़ाने का उन्माद साफ झलकता है। कंगना किसी न किसी मोदी सरकार के एजेंडे को आगे बढ़ाने में लगी रहती हैं, बल्कि कई बार चापलूसी करती दिखती हैं। कल भी रावण दहन के दौरान कंगना रनौत ने जय श्रीराम के नारे लगाए और कहा कि भगवान राम सबसे बड़े हीरो हैं, और उनके जैसा न तो कोई था और ना ही कोई होगा। मर्यादा पुरुषोत्तम कहे जाने वाले भगवान राम पर कंगना ही नहीं इस देश के बहुसंख्यक समाज की आस्था है। लेकिन सवाल ये है कि वो कौन से राम हैं, जिन्हें कंगना अपना हीरो बता रही हैं। क्या ये वो राम हैं, जिनके नाम का इस्तेमाल कर भाजपा ने सत्ता का सफर तय किया है, या फिर ये गंगा-जमुनी संस्कृति वाले राम हैं, जिनके नाम से पहले लोग सीता का नाम लेते हुए जय सियाराम का अभिवादन करते रहे हैं।

कंगना रनौत को कल लवकुश रामलीला में बतौर महिला रावण पर तीर चलाने का मौका मिला तो इस इतिहास को रचने के साथ-साथ वे मिसाल भी कायम कर सकती थीं। जय श्रीराम के साथ वे जय सियाराम भी कह सकती थीं। स्त्रीशक्ति को दिखाते हुए बिल्किस बानो से लेकर महिला पहलवानों, मणिपुर की महिलाओं और उज्जैन की नाबालिग बच्ची जैसे कई मामलों में इंसाफ की आवाज बुलंद रामलीला के मंच से कर सकती थीं। हमास के लिए उन्हें आधुनिक रावण की संज्ञा याद आई, लेकिन अपने देश में अलग-अलग किरदारों के पीछे छिपे रावणों को कंगना ने बड़ी आसानी से अनदेखा कर दिया। दरअसल कंगना या उनकी तरह के सुविधापरस्त लोगों से ऐसी कोई भी उम्मीद रखना बेवकूफी ही है। उनके एजेंडे में भारत के आधुनिक रावणों का जिक्र करना शामिल ही नहीं है, क्योंकि इससे उनकी फिल्म को कोई फायदा नहीं मिलता।

भारत में प्रधानमंत्री मोदी ने कश्मीर फाइल्स, केरला स्टोरीज और वैक्सीन वॉर जैसी फिल्मों का प्रमोशन चुनावी मंचों से किया, यहां तक तो ठीक था, लेकिन आश्चर्य की बात ये है कि अब इजरायली राजदूत को भी फिल्म प्रमोशन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसी घटनाओं से वैश्विक मंच पर भारत की कैसी छवि बनेगी, ये विचारणीय है।

मिजोरम विधानसभा चुनाव पर मणिपुर हिंसा की छाया

■ सुशील कुट्टी

2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस हार गई थी और अब वह वापसी की उम्मीद लगाये बैठी है। हालांकि, सत्तारूढ़ मिज़ो नेशनल फ्रंट और विपक्षी ज़ोरम पीपुल्स मूवमेंट ने उम्मीद नहीं छोड़ी है। मिजोरम में भाजपा को पड़ोसी राज्य मणिपुर में हो रही घिनौनी घटनाओं से जूझना पड़ रहा है। एमएनएफ का नेतृत्व मुख्यमंत्री ज़ोरमथांगा कर रहे हैं और मिज़ो शांति समझौते पर हस्ताक्षर के बाद से एमएनएफ और कांग्रेस ने क्रमश: तीन और चार बार सत्ता संभाली है। एमएनएफ खुद को सत्ता में बनाये रखने के लिए लोगों के उत्थान के लिए अच्छे प्रशासन और सरकारी संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन के अपने रिकॉर्ड पर भरोसा कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए मणिपुर हिंसा मिज़ोरम में सिरदर्द बन गया है। मिजोरम में 7 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर में अप्रिय घटनाओं के बावजूद राज्य में प्रचार करना होगा। प्रधानमंत्री से प्रेस वार्ता आयोजित करने की उम्मीद बहुत ज्यादा होगी। प्रधानमंत्री मोदी हस्तक्षेप करने वाले प्रेस से घिरे हुए मंच के ऊपर दूर पर ही होंगे।

भाजपा के अन्य शीर्ष नेता मीडिया को संबोधित कर सकते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा दोनों मिजोरम में रहेंगे। प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम के मुताबिक, वह 30 अक्टूबर को ममित शहर में एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे।

इस बीच कांग्रेस नेता और वायनाड सांसद राहुल गांधी आये और चले गये। अच्छी तरह से कटी हुई दाढ़ी वाले गांधी 16 अक्टूबर को एक पदयात्रा और एक रैली के लिए मिजोरम में थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विपरीत, राहुल गांधी मीडिया का सामना करने से घबड़ाते या डरते नहीं थे।

एक चुटीले पत्रकार ने राहुल से राजनीतिक वंशवाद के बारे में पूछा और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने बिना किसी दुर्भावना के पत्रकार से प्रतिवाद किया, जिसे देखने वाला कोई भी यह प्रमाणित करेगा कि यह एक कठिन कार्य है। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है और पार्टी सभी 40सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

भारतीय जनता पार्टी 23 निर्वाचन क्षेत्रों से अपनी किस्मत आजमायेगी। भाजपा के दो स्टार प्रचारक असम के मुख्यमंत्री हिमंतविस्वा शर्मा और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा हैं। शर्मा ने विशेष रूप से 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के लिए पूर्वोत्तर में जमीन तैयार करने के लिए अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगा दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित करना सभी भाजपा मुख्यमंत्रियों/केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों के लिए जीवनरेखा है। हिमंतविस्वा शर्मा को पूर्वोत्तर में एक बड़ा आकर्षण माना जाता है। एक अन्य पूर्वोत्तर व्यक्ति, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, मिजोरम के लिए भाजपा के चुनाव प्रभारी हैं। भाजपा मिजोरम में सीटों के लिए रियांग और चकमा आदिवासियों पर भरोसा कर रही है।

भगवा पार्टी सत्ता में बने रहने के लिए सहयोगी मिजो नेशनल फ्रंट पर भरोसा कर रही है। मतदान 7 नवम्बर मंगलवार को और मतगणना रविवार को होगी। चुनाव लड़ने के लिए 174 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है, जिनमें 16 महिलाएं शामिल हैं। मिज़ो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) और मुख्य विपक्षी दल, ज़ोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम), दोनों क्षेत्रीय/राज्य संगठन हैं। कांग्रेस और भाजपा मूलत: बाहरी हैं। आम आदमी पार्टी चार सीटों पर चुनाव लड़कर अपनी घुसपैठ बनाने की कोशिश कर रही है।174 उम्मीदवारों में से 27 'निर्दलीय' हैं।

ऐज़वाल में राहुल गांधी की पदयात्रा में हजारों कांग्रेस समर्थक और जनता शामिल हुई। कम से कम चनमारी नामक स्थान से लेकर ट्रेजरी स्क्वायर नामक स्थान तक का विस्तार गांधी परिवार की भारत जोड़ो यात्रा की याद दिलाता है। गांधी ने सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों की ओर हाथ हिलाया और कुछ लोगों से बातचीत करते हुए हाथ मिलाया। आंखों से संपर्क बनाना मतदाताओं को अपने पक्ष में करने का एक तरीका है। कांग्रेस नेता छात्रों के साथ बातचीत करने से नहीं चूके और ईसाई बहुल मिजोरम में मतदान को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

> निवर्तमान विधानसभा में कांग्रेस के पास केवल पांच सीटें थीं, जबकि एमएनएफ और ज़ोरम पीपुल्स मूवमेंट संख्या में उससे आगे थे। भाजपा फिर से उभरती कांग्रेस से जूझ रही है। मिजोरम-असम सीमा विवाद और मिजोरम में नशीली दवाओं का प्रवेश दो बड़े चुनावी मुद्दे हैं, जिसमें सीमा विवाद सीधे तौर पर भाजपा और उसके असम के मुख्यमंत्री से जुड़ा है।

ऐज़वाल और लुंगलेई राज्य में दो स्थान थे जहां कांग्रेस नेता रुके थे। इसमें कोई शक नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी मिजोरम में एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हैं, जो क्रमश: भाजपा और कांग्रेस के मुख्य प्रचारक हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि जीत किसकी होती है। हालांकि, फिलहाल, दोनों पार्टियां मिजोरम पीपुल्स फोरम के साथ चुनाव की तारीख की घोषणा के बाद सार्वजनिक जुलूस आयोजित नहीं करने के समझौते से बंधी हैं।

निवर्तमान विधानसभा में कांग्रेस के पास केवल पांच सीटें थीं, जबकि एमएनएफ और ज़ोरम पीपुल्स मूवमेंट संख्या में उससे आगे थे। भाजपा फिर से उभरती कांग्रेस से जूझ रही है। मिजोरम-असम सीमा विवाद और मिजोरम में नशीली दवाओं का प्रवेश दो बड़े चुनावी मुद्दे हैं, जिसमें सीमा विवाद सीधे तौर पर भाजपा और उसके असम के मुख्यमंत्री से जुड़ा है।

कहानी से अलग एक दिलचस्प बात यह है कि निवर्तमान विधानसभा के 35 विधायक करोड़पति थे जिनके बारे में एसोसिएशन फॉरडेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और मिजोरम इलेक्शन वॉच ने बताया है। राज्य में कुल 39 विधायक थे और उनमें से कोई भी महिला नहीं थी। उन्होंने कहा कि ये 2023 के लिए चुनावी मुद्दे नहीं हैं।

पूरी संभावना है कि असम-मिजोरम सीमा विवाद तथा मणिपुर हिंसा पर प्रधानमंत्री की लगातार चुप्पी पर जनाक्रोश मिजोरम चुनाव परिणामों को प्रभावित करेंगे।

पावन प्रसंग

खुश रहने के लिए सकारात्मक रहें

खुशियों हर किसी के जीवन में बहार लाती है।; इसलिए सभी अपने जीवन में खुशियां चाहते हैं और खुशी पाने के लिए कोई भी काम करना पसंद करते हैं, लेकिन मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो खुशियां आंतरिक होती हैं। बाहरी वस्तुएं एवं परिस्थितियां हमें जो खुशी देती हैं, वह अस्थायी होती है। यदि स्थायी खुशी की तलाश करनी है तो उसे अपने भीतर ही खोजना होगा, क्योंकि खुशियों का खजाना कहीं बाहर नहीं, बल्कि मनुष्य के अंदर ही छिपा होता है- उसके दृष्टिकोण में, उसके नजरिए में, उसकी समझ में और उसके संतोष में। जीवन में बहुत सी ऐसी छोटी-छोटी चीजें होती हैं, जिनसे हम खुशी हासिल कर सकते हैं और अपने अंतर्मन को पल भर के लिए खुशी से लबालब कर सकते हैं, लेकिन हम उन्हें कोई महत्व नहीं देते और अपने खुश रहने के क्षणों को गवां देते हैं।

खुशी उनसे दूर भागती है. जो हर क्षण चिंता, परेशानी व तनाव में होते हैं। ऐसे व्यक्ति खुशियों के अवसर में भी खुश नहीं रह पाते, क्योंकि वे पहले से ही नकारात्मक तत्वों से भरे रहते हैं। जैसे पानी से भरे हुए गिलास में और पानी नहीं डाला जा सकता, उसी तरह तनाव, चिंता से लबालब भरे हुए व्यक्तियों के अंदर खुशियां नहीं डाली जा सकतीं। खुशियां चाहिए तो ग्रहणशील बनना होगा। खुशियों के अवसरों को पहचानना होगा और उन्हें स्वीकारना होगा।

खुशियां मीठे पानी की तरह होती हैं। वे हमें तृप्त करती हैं। जिस तरह संसार में पानी की नदियां बहती हैं, झरने बहते हैं, तालाब होते हैं, कुएं होते हैं, उसी तरह संसार में खुशियों की भी लहरें हैं, झरने हैं। जिस तरह नदी, झरनों से पानी पीने के लिए हमें उनके समीप जाना पड़ता है, लेकिन यदि कुआं हमारे पास है तो जब चह चाहे तब हम अपनी प्यास बुझा सकते हैं, उसी प्रकार खुशियों के लिए यदि हम बाहरी स्त्रोतों व तत्वों पर निर्भर हैं तो हमें उनका इंतजार करना पड़ता है और यदि कुएं की तरह खुशी का स्त्रोत हम अपने भीतर तलाश लेते हैं तो हमें कहीं भटकना नहीं पड़ता। संत, महात्मा निश्चित तौर से खुशी के आंतरिक स्त्रोतों को हस्तगत कर लेते हैं, तभी तो वे दूसरों को खुशी दे पाते हैं, और स्वयं भी आनंद में रहते हैं। हम खुशी पाने के लिए क्या-क्या नहीं करते, लेकिन फिर भी हम वह खुशी हासिल नहीं कर पाते, जिसकी हमें चाह होती है, इसलिए हम अतृप्त ही रह जाते हैं। यदि खुशी मिलती भी है तो थोड़े समय के लिए, फिर हम जहां थे, वहीं खड़े रह जाते हैं। कभी-कही हम एक ही तरह की जिंदगी जीते-जीते ऊब जाते हैं, नीरस व उदास महसूस करने लगते हैं, लेकिन ऐसी जिंदगी से दुखी भी नहीं होते। येल यूनिवर्सिटी में दर्शनशास्त्र के प्राध्यापक डा. जोशुआ नॉबे का मानना है कि जब हम किसी उद्देश्य के साथ जुड़कर किसी काम में लगे रहते हैं तो हमें जिंदगी से ऊब महसूस नहीं होती, क्योंकि उद्देश्य पूरा करने में हम कभी भी एक ही तरह से कार्य नहीं करते, वरन कार्य को विभिन्न तरह से करते हैं और अपनी जिंदगी में खूबसूरत अनुभवों के रंग भरते हैं, जिनसे हमें खुशी मिलती है। लोक यह सोचते हैं कि लक्ष्य या उद्देश्य के पूरा होने पर व्यक्ति को खुशी मिलती है, लेकिन यह अधूरा सच है, क्योंकि लक्ष्य की ओर बढ़ना भी व्यक्ति को उतनी ही खुशी देता है, जितनी उसे पा लेने पर मिलती है। जब हम अपने निर्धारित कामों को पूरा कर लेते हैं, तो वे हमें खुशी देने के साथ-साथ आत्मविश्वास भी देते हैं। सही रास्ते पर चलने से भी हमें आंतरिक खुशी व सुकून मिलता है। किसी जरूरतमंद की मदद करने में भी हमें खुशी मिलती है। यदि हमें खुशी चाहिए तो जीवन में नकारात्मक तत्वों से अपना बचाव करना होगा। इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि हम अपने दृष्टिकोण को बदलें, जीवन के सकारात्मक पहलुओं को देखना सीखें और उत्कृष्ट जीवन जीने की ओर अपने कदम बढ़ाएं।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

कुटिलता आखिर वैर में तब्दील हो जाती है

भारत की एक प्राचीन कहावत है- जर जोरु और जमीन जोर की नहीं तो किसी और की। इसी कहावत के आधार पर प्राचीन काल ने राजाओं, जागीरदारों, भूमिहारों तथा सम्राटों में धन लिप्सा के कारण एक दूसरे के खजाने को लूटने के लिये परस्पर लड़ाई होती थी। जो उसमें जीत जाता व लूट का माल अपने कब्जे में कर लेता था। इसी कारण राज्य लिप्सा और अपने राज्य का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिये दो राजाओं में परस्पर युद्ध होता था।

व्यवहारिक जगत में वैर-विरोध धन के लिये, स्त्री के लिये, जमीन जायदाद के लिये जाति संप्रदाय अपराधों के प्रतिशोध और अहंकार युक्त वाणी के कारण परस्पर वैर बढ़ जाती है। इतिहास ऐसे अनेक युद्धों और परम्परा वैर विरोध से भरा पड़ा है। जातिगत वंशगत विद्वेष तो पीढ़ी दर पीढ़ी चलता रहता है। पांच-सात पीढ़ियां बीत जाती है फिर भी दोनों पक्ष के लोग उस वैर विरोध को भूलते नहीं है।

संप्रदाय मत-पंथ को लेकर भारत में ही नहीं विदेशों में भी परस्पर वैर विरोध, लड़ाई वाद-विवाद और रक्तपात हुआ है। हम रूस-यूक्रेन, भारत-पाकिस्तान और हाल में इजराइल और हमास का युद्ध आंखों से देख रहे हैं। वैर-विरोध समय समय पर होता रहता है। हिन्दू - मुसलमान का संघर्ष भी विरोध के कारण होता है जबकि अहिंसा का प्रयोग और विकास भारत में सदियों पहले हो चुका है। जैनों में भी जरा से साम्प्रदायिक मतभेद को लेकर संघर्ष, विद्वेष और विरोध उभर आता है। इसका मुख्य कारण अधिकार है। काम, क्रोध, मोह-लोभ, अहंकार आदि विषैले विकार है। उन विकारों के कारण उत्पन्न विरोध कभी भी शांत नहीं हो सकता।

अनेकांतवाद को ताक में रखकर केवल अपने अहंकार को अधिकार एवं स्वार्थ को लेकर परस्पर संघर्ष भी जैन या अजैन संप्रदायों में चलता रहता है। इससे वैमनस्य बढ़ता है। भयंकर अशुभ कर्मबंधन होता है। इसका कोई भी शांत दिल से विचार करने को तैयार नहीं है। राज्य को लेकर ही नहीं अपने से भिन्न राष्ट्र को दुश्मन समझकर पाकिस्तान आजाद हुआ। तभी से तरह-तरह से भारत के साथ विभिन्न तरीकों से लड़ रहा है। इसी का संघर्ष पंजाब में सिखों का और असम में बोडो का संघर्ष सरकार के साथ चला।

एक दूसरे की कटु आलोचना, आक्षेप, प्रत्याक्षेप के कारण वैर विरोध चलता है। यह अनुचित है। इससे राष्ट्र भक्ति के बदले पक्ष भक्ति ही दृष्टिगोचर होती है। आज यह राष्ट्र दूसरे राष्ट्र को विकसित देखकर ईर्ष्या वश किसी भी बहाने से भयंकर युद्ध छेड़ने का प्रयास करता है। धनी राष्ट्र आर्थिक दृष्टि से पिछड़ा, गुलाम और अविकसित करने के लिये तरह-तरह की पैंतरेबाजी करता है। यह कुटिलता आखिर वैर में तब्दील हो जाती है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

मतदाता जागरूकता अभियान में हुई प्रतियोगिताएं

रायसेन, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव को लेकर जिले में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद दुबे के निर्देशन में चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को नगर पालिका द्वारा शासकीय कन्या महाविद्यालय में पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिता में कॉलेज की छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस मौके पर नगर पालिका सीएमओ सुरेखा जाटव, सिटी मैनेजर रानी तिवारी, कॉलेज प्राचार्य विनोद सेंगर मौजूद थी छात्राओं को शत प्रतिशत मतदान करने और 17 नवंबर को अपना मत अधिकार का प्रयोग करने प्रेरित भी किया।

मतदाता जागरूकता रैली आज

रायसेन, देशबन्धु। जिले में विधानसभा निर्वाचन-2023 में शत-प्रतिशत मतदान हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार स्वीप प्लान के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 26 अक्टूबर को प्रात: 10 बजे रायसेन में मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत प्रचार रैली आयोजित की गई है। यह रैली 26 अक्टूबर को प्रात: 10 बजे नगर पालिका कार्यालय से प्रारंभ होकर स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय रायसेन पहुंचेगी और वहां से पुन: नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर समाप्त होगी।

बाल स्वयंसेवकों ने किया पथ संचलन

भेरून्दा /नसरुल्लागंज, देशबन्धु। विजयादशमी पर बाल स्वयंसेवकों का संचलन मंगलवार को नगर के शास्त्री स्मृति विद्यालय से प्रारम्भ होकर रॉयल मार्केट, जेपी मार्केट, दुर्गा मंदिर चौराहा, भोपाल रोड, बस स्टेण्ड, सेठी मार्केट, सकन्ट मोचन मंदिर, नीलकंठ रोड, दाना बाबा चौराहा और जेपी मार्केट से होते हुए शास्त्री स्मृति विद्या मंदिर मे समापन हुआ, जिसमे बाल शिशु स्वयंसेवक सहित संघ के अधिकारी व नगर के अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे। नगर के व्यापारियों द्वारा जगह जगह पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया गया।

चादर चढ़ाने गाजे बाजे के साथ निकाली पदयात्रा

रायसेन, देशबन्धु। शहर के भोपाल मार्ग पर स्थित हजरत पीर फतेह उल्ला साहब की दरगाह पर 803वां उर्स मंगलवार से प्रारंभ हो गया है। यह 3 दिन तक चलेगा उर्स में शामिल होने देश भर से जायरीन आए हैं। बुधवार को शहर के समाजसेवी इरशाद मामू ने बाजे-गाजे के साथ शहर में पदयात्रा के माध्यम से निकलकर दरगाह पर पहुंच चादर चढ़ाई चादर के साथ पदयात्रा इंडियन चौराहे से प्रारंभ हुई जो शहर के मुख्य मार्ग से होती हुई दरगाह शरीफ पहुंची इस दौरान उन्होंने बाबा को चादर पेश कर जिले वासियों की खुशहाली के लिए दुआ मांगी। उर्स को लेकर दरगाह शरीफ को रोशनी से सजाया गया। आज रात में उज्जैन भोपाल बिजनौर से आए कव्वालों के बीच में मुकाबला होगा।

चल समारोह निकालकर किया दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

किशोरियों और बालिकाओं के अखाड़े बने आकर्षण का केंद्र

गैरतगंज, देशबन्धु। विजयादशमी दशहरा पर्व पर नगर में चल समारोह का आयोजन किया गया। चल समारोह में नगर सहित आसपास के क्षेत्र की लगभग आधा सैकड़ा झांकियों ने हिस्सा लिया। चल समारोह के दौरान बड़ी संख्या में भगवा ध्वजा हाथ मे रखे चल रहे श्रद्धालुओं ने पूरे नगर को भगवामय कर दिया। आयोजन के दौरान विशेष तौर पर चल समारोह में केसरिया बाने और पगड़ी के साथ किशोरियों और बालिकाओं के कला कौशल दिखाते अखाड़े आकर्षण का केंद्र बने रहे। हिन्दू उत्सव समिति के तत्वाधान में चल समारोह रामजानकी मंदिर से अखाड़े के साथ प्रारंभ होकर किसानी मोहल्ला स्थित दुर्गा झांकी पहुंचा। यहां से दुर्गा झांकी के साथ भगवान राम, लक्ष्मण को साथ लेकर चल समारोह आगे बढ़ा। आयोजन में अखाड़ों का प्रदर्शन, महिला किशोरियों, बालिका मंडल का अखाड़ा, बजरंग अखाड़ा के साथ चल रही लेजम की थाप पर बड़ी संख्या में कन्याएं पूरे समय आकर्षण का केंद्र रही। दशहरा पर्व के दोपहर में मां वैष्णो उत्सव समिति टेकापार द्वारा चल समारोह निकाला जिसमे छोटी छोटी बालिकाओं द्वारा लेजम एवं ढोल बजाकर प्रदर्शन किया जो आकर्षण का केंद्र रहा। दशहरा चल समारोह अपने रंग पर रहा। दोपहर से शुरू हुआ आयोजन देर रात तक चलता रहा। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की लगभग 2 दर्जन से अधिक दुर्गा प्रतिमाओं से सजी झांकियां चल समारोह में शामिल रही। विशेष तौर पर बजरंग अखाड़ा, नरसिंह अखाड़ा, भीम अखाड़ा, संत शिरोमणि रविदास अखाड़ा के कलाकारों ने अपने कला कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। श्रीराम जानकी धर्मशाला से प्रारम्भ हुआ चल समारोह बस स्टेंड, नंदनी नगर, गांधी तिराहा, ब्लाक कालोनी एवं टेकापार से होता हुआ कृषि उपज मंडी प्रांगण दशहरा मेला मैदान में सम्पन्न हुआ। दुर्गा झांकी एवं अखाड़ा अध्यक्षों को किया सम्मानित दशहरा के चल समारोह के बाद मुख्य कार्यक्रम कृषि उपज मंडी प्रांगण में संपन्न हुआ। यहां हिन्दू उत्सव समिति के तत्वावधान में दुर्गा झांकी के अध्यक्ष को पुरुस्कारों का वितरण किया गया। वही के अध्यक्षो का भी शील्ड देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी बद्रीप्रसाद पटेल, सुरेशचंद नायक, अवधनारायण श्रीवास्तव, डीके माहेश्वरी, शिवप्रसाद ठाकुर, टेकचंद जैन, लालजी ठाकुर, छतर सिंह पटेल, जवाहर चंद्रवंशी, हरिकृष्ण गौर, नंदकिशोर पटेल, ओमकार चंद्रवंशी, काशीराम अहिरवार का हिन्दू उत्सव समिति के अध्यक्ष देवेंद्र पटेल ने पगड़ी बांधकर सम्मान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जवाहरसिंह चंद्रवंशी ने की। कार्यक्रम के दौरान राम रावण युद्ध के बाद रावण के बुराई के प्रतीक आदमकद पुतले का दहन किया गया। बाद में बीना नदी के छोटे पुल स्थित विसर्जन घाट पर देर रात तक दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन क्रेन की सहायता से किया गया। आयोजन के दौरान विशेष तौर पर चल समारोह में केसरिया बाने और पगड़ी के साथ किशोरियों और बालिकाओं के कला कौशल दिखाते अखाड़े आकर्षण का केंद्र बने रहे।

पहले हनुमान मंदिर पहुंचकर समर्थकों के साथ की पूजा

कांग्रेस प्रत्याशी ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर दाखिल किया नामांकन

सिरोंज, देशबन्धु। सिरोंज -लटेरी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी सैकड़ों समर्थकों और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ नामांकन दाखिल करने एसडीएम कार्यालय पहुंचे और वहां रिटर्निंग अधिकारी हर्षल चौधरी को नामांकन पत्र सौंपा। पहली बार कांग्रेस ने इस सीट से रघुवंशी को अपना उम्मीदवार बनाकर चौंका दिया है। पर्चा दाखिल करने के पहले कांग्रेस प्रत्याशी शहर के सुप्रसिद्ध क्षत्रिय हनुमान मंदिर पहुंचे और वहां जाकर उन्होंने हनुमान जी से चुनाव में जीत की अर्जी लगाई और पूजा की। रघुवंशी लिंक रोड स्थित घर से अपनी पत्नी जिला पंचायत सदस्य पार्वती रघुवंशी, अपने भाई और बच्चों को लेकर पैदल ही पूरे शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए लगभग 3 से 4 किलोमीटर पैदल चले। छतरी चौराहे पर बनी गांधी प्रतिमा को माला पहनकर शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे । लोगों ने जगह-जगह कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी का स्वागत किया पहली बार किसी कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन दाखिल करते समय बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ देखी गई। जिससे चर्चा है कि इस बार कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी। इसी सीट से भाजपा ने यहां से उमाकांत शर्मा वर्तमान में विधायक है फिर से टिकट दिया है।

पार्टी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है उसे कायम रखूंगा: गगनेंद्र

नामांकन दाखिल करने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी ने पत्रकारों से बात करते हुए भारी बहुमत से जीत दर्ज करने का दावा किया तो वही मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार दो तिहाई बहुमत से बनने की बात भी कहीं कि हम जनता के बीच जाकर भाजपा की जन विरोधी नीतियों को लोगों तक पहुंचाएंगे और कांग्रेस की 18 महीने की सरकार द्वारा किए गए जन हितेशी कार्यों को बताकर अपने लिए समर्थन की मांग करेंगे। क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़कों की अव्यवस्था है हमें अभी तक जनता के बीच में बहुत अच्छा समर्थन प्राप्त हुआ है और कांग्रेस पार्टी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है उसे पूरी तरह कायम रखूंगा।

सांची से कांग्रेस प्रत्याशी गौतम ने जमा किया नामांकन

रायसेन, देशबन्धु। बुधवार दोपहर को सांची विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ जीसी गौतम ने अपना नामांकन दाखिल किया। डॉ गौतम नामांकन फार्म जमा करने से पहले सागर रोड स्थित पाटनदेव और कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे यह उन्होंने बजरंगबली की पूजा अर्चना कर माथा टेका और नामांकन फार्म मंदिर की चौखट पर रखा उसके बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुमताज खान, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय धाकड़, हकीमुद्दीन मंसूरी, के साथ रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष अपना नामांकन फार्म जमा किया। हालांकि यह नामांकन फार्म उन्होंने मुहूर्त के मुताबिक दाखिल किया है, 30 अक्टूबर को फिर से अपने समर्थकों के साथ नामांकन जमा करेंगे।

सिलवानी से कांग्रेस प्रत्याशी पटेल ने जमा किया नामांकन

रायसेन, देशबन्धु। सिलवानी विधानसभा 143 से कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र पटेल ने मुहूर्त के हिसाब से अपने अधिवक्ता रोहतास पटेल के साथ तहसील कार्यालय पहुंचकर रिटर्निंग ऑफिसर एवं एसडीएम सौरभ मिश्रा को नाम निर्देशन पत्र सौंपा। अभी तक कुल पांच अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन पत्र रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय से प्राप्त किए हैं। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी देवेंद्र पटेल ने शुभ मुहूर्त के हिसाब से नाम निर्देशन फार्म जमा किया है आज 25 अक्टूबर को बजरिया मंदिर से दोपहर को पूजा अर्चना के बाद व अपने समर्थकों के साथ नाम नामांकन फार्म जमा किया।

मनाया दशहरा पर्व, निकला चल समारोह

भेरून्दा /नसरुल्लागंज, देशबन्धु। नगर में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया। चल समारोह श्रीराम मंदिर गांधी चौक छोटा बाजार से प्रारंभ हुआ। इस चल समारोह मे नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर एवं नगर परिषद के पार्षदगण, नगर के गणमान्य नागरिक मुख्य रूप से शामिल रहे। चल समारोह रॉयल मार्केट, जेपी मार्केट, दुर्गा मंदिर चौराहा, इंदौर रोड होते हुए, बजरंग कुटी खेड़ापति हनुमान मन्दिर पहुंचा, जहां पर पूजा अर्चना की गई। वहीं व्यापारी संगठन एवं कई जगह चल समारोह का पुष्प वर्षा कर सम्मान किया गया। वही हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नगर भेरून्दा की मुस्लिम त्यौहार कमेटी जामा मस्जिद द्वारा दशहरा चल समारोह का दुर्गा मन्दिर चोराहे के पास पुष्प वर्षा कर एवं ठंडा वितरण कर सम्मान किया गया। एवं सभी हिन्दू मुस्लिम भाईयों ने एक दूसरे से गले मिलकर दशहरा पर्व की एक दूसरे को बधाई दी गंगा जमुना तहजीब एवं हिंदू मुस्लिम एकता भाईचारे की मिसाल देखने को मिली। वही चल समारोह में एसडी एम.एस. रघुवंशी ,नगर परिषद सीएमओ प्रफुल्ल गठरे आदि अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

कालादेव में दशहरे पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक शर्मा

लटेरी, देशबन्धु। दशहरे के अवसर पर लटेरी के कालादेव में परंपरागत रूप से राम-रावण का गोपियां युद्ध का आयोजन हुआ। हमेशा की तरह इस आयोजन को देखने के लिए आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में लोग एकत्रित हुए। गोटमार के इस कार्यक्रम में हमेशा की तरह विधायक उमाकांत शर्मा ने भी शामिल पूजा अर्चना की कर जनसंपर्क किया। लटेरी आनंदपुर से सुदूर उनारसी कला में होने वाली गोटमार आयोजन में स्थानीय ग्रामीण राम दल का नेतृत्व करते है और प्रांगण के सीमाक्षेत्र में रहकर उद्घोष करते है। इसके दूसरी तरफ आसपास के गांवों के लोग रावण दल की ओर से गोपिया से रामदल पर पत्थरों से प्रहार करते है। वर्षो से चली आ रही इस परंपरा को क्षेत्र के पूर्व संस्कृति मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा ने देश एवं प्रदेश स्तर पर पहचान स्थापित करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दशहरे के दिन वह हमेशा इस आयोजन में सहभागिता करते थे। मंगलवार को आयोजित हुए इस आयोजन में उमाकांत शर्मा ने सहभागिता करते हुए जनता के बीच बैठकर गोपिया युद्ध और होने वाले संवाद लीला को देखा। इस दौरान उन्होंने रथ में विराजे भगवान रामलला सरकार के पूजन दर्शन कर आरती उतारी इसके उपरांत दूसरे रथ में विराजे राम दरबार के पात्रों की भी पूजा अर्चना की। तथा उपस्थित नागरिकों एवं क्षेत्रवासियों को असत्य पर सत्य की जीत के प्रतीक दशहरा पर्व की शुभकामनाएं प्रदान की। इस दौरान सैकड़ो की संख्या में उपस्थित जनसमुदाय जयघोष लगते दिखाई दिए। इस दौरान भाजपा नेता लक्ष्मण सिंह बघेल, राजेश यादव, बृजभूषण सिंह, राजकंवर बघेल, आशीष शर्मा, रामगुलाम राजौरिया, संजय शर्मा आदि के साथ क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि एवं नेतागण उपस्थित रहे।

कांग्रेस से टिकट कटने के बाद कुलदीप हाथी पर हुए सवार

मुरैना, देशबन्धु। बुधवार की सुबह कांग्रेस द्वारा तीसरी सूची में सुमावली विधानसभा क्षेत्र से कुलदीप सिकरवार का टिकट कैंसिल कर अजब सिंह कुशवाह का टिकट फाइनल किए जाने के 5-6 घंटे पश्चात सर्व समाज के निर्णय पर कुलदीप ने बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ले ली और हाथी पर सवार होकर अब सुमावली विधानसभा में निकलेंगे तथा कांग्रेस प्रत्याशी की राह में रोड़ा अटकाएंगे।

जिसका कोई नहीं, उसका बसपा है यारों, ऐसा ही जुमला अब लोगों में चल रहा है। बहुजन समाज पार्टी भी अच्छे प्रत्याशियों की तलाश में खाली बैठी हुई है, जो भी कांग्रेस एवं भाजपा का सताया हुआ उसके पास शरण लेने पहुंच जाता है तो बसपा भी खुले दिल से उसका स्वागत करती है और तुरंत नीली पट्टी भेंट कर दी जाती है। अभी हाल ही के घटनाक्रम को देखें तो सुमावली विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस से नाराज होकर बसपा में आए अजब सिंह को तत्काल टिकट दे दिया गया और और उसके पांचवें दिन ही पहले से घोषित प्रत्याशी कुलदीप का टिकट काटकर और फिर से अजब सिंह को टिकट कांग्रेस ने दे दिया है। इधर अपने साथ हुए अन्याय से नाराज कुलदीप ने 6 घंटे पश्चात बसपा के प्रदेश अध्यक्ष रमाकांत पिप्पल के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ले ली और नीली पट्टी ओढ़कर हाथी पर सवार हो गए हैं तथा चुनाव सुमावली विधानसभा से ही लड़ेंगे।

रिठौरा भाजपा मंडल के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता बसपा में शामिल

मुरैना। भाजपा छोड़कर बसपा से मुरैना विधानसभा प्रत्याशी घोषित हुए राकेश रुस्तम सिंह का चुनावी जनसंपर्क आरंभ हो गया है। मंगलवार को रिठौरा भाजपा मंडल के तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने राकेश सिंह के प्रति अपना विश्वास जताते हुए भाजपा को बाय-बाय कर दिया और बसपा में शामिल हो गए, इससे भाजपा को एक बड़ा झटका लगा है। विधानसभा क्षेत्र के रिठोरा मंडल के कार्यकर्ताओं ने भाजपा को छोड़कर बसपा प्रत्याशी राकेश रुस्तमसिंह के समक्ष उनके समर्थन में बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बसपा प्रत्याशी ने उनका सम्मान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बसपा में शामिल होने वालों में सतेंद्र सिंह सिसोदिया, सुघर सिंह भैंसोरा, सज्जन सिंह, रिंकू राजौरिया, विक्रम बरैया, देवेंद्र सिंह कुतवार, संजय सिंह नाका, भूपेंद्र सिंह बमरोली, श्यामसुंदर सिंह पहाड़ी, सिरनाम सिंह पढ़ावली, वीरेंद्र सिंह, तख्त सिंह सरपंच पढ़ावली, राजवीर सरपंच बढ़वारी, अमरेश शर्मा रिठौरा, ध्रुव कौरव बनमोर, एदल सिंह हर्षाना, मंगू शर्मा पढ़ावली, अखेंद्र सिंह बघेल, जितेंद्र सिंह बमरोली, राधेश्याम सिंह बिसेंद्र, संजू अरदोनी, पवन कौरव मितावाली, नरेश गोस्वामी, लक्की कटारे नौगांव, सोनू श्रीवास आदि शामिल हैं।

शस्त्रों की पूजा कर पुलिस लाइन में मनाया दशहरा पर्व

वाहनों और इलेक्ट्रॉनिक मशीनों का पूजन कर की आतिशबाजी

मुरैना, देशबन्धु। असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक दशहरा पर्व मंगलवार को जिलेभर में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने शस्त्र पूजन के साथ-साथ वाहनों एवं इलेक्ट्रॉनिक मशीनों का पूजन किया तथा आतिशबाजी कर प्रसादी का वितरण किया गया।

दशहरा पर्व पर सुबह से ही पूजा अर्चना का कार्य आरंभ हो गया पुलिस लाइन मुरैना में पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद ठाकुर के द्वारा पुलिस कर्मचारियों के समस्त शस्त्रों का वैदिक मंत्रउच्चार एवं विधि विधान से पूजन कराया गया और दशहरे की शुभकामनाएं दी गई। शहर में लोगों द्वारा घर व प्रतिष्ठानों पर दशहरा पर्व पर अपने-अपने वाहन, शस्त्र एवं मशीनरीयों की पूजा की गई। सुबह से ही एमएस रोड एवं हनुमान चौराहे पर फूल मालायें बड़ी संख्या में बेचने के लिए ग्रामीण आए, वहीं एमएस रोड के किनारे वाहनों को सजाने के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्री लिए दुकानदार बैठे हुए थे। इधर दशहरा के अवसर पर दोपहिया वाहन खरीदने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही और लोगों ने दोपहिया वाहन खरीदे, वहीं मैकेनिकों की दुकान एवं धुलाई सेंटरों पर भारी भीड़ देखने को मिली।

विधि विधान से किया शस्त्र पूजन

असत्य पर सत्य की विजय के पर्व दशहरे के अवसर पर नगर में शस्त्र, वाहनों का पूजन किया गया। पुलिस चौकी झुण्डपुरा पर आज दशहरा के पावन पर्व पर पुलिस विभाग द्वारा पुलिस के पास शासन द्वारा उपलब्ध शस्त्रों का पूजन किया गया। इस मौके पर चौकी प्रभारी पवन भदौरिया, लवकुश शर्मा, रुपसिंह जाट समेत पुलिस चौकी का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

सुबह संपूर्ण विधि विधान से शस्त्रों व वाहनों का पूजन हिंदू मान्यताओं के अनुसार शस्त्रों को मंत्रोच्चार के साथ रोली व अक्षत चढ़ाकर मौली कलावा बाधकर पूजन किया गया। वहीं चौकी प्रभारी पवन भदौरिया ने चौकी पर उपलब्ध शस्त्रों सहित विभिन्न वाहनों का विधिवत आचार्य अनिल बुधौलिया के आचार्यत्व में पूजन किया गया। इस अवसर पर चौकी प्रभारी पवन भदौरिया, लवकुश शर्मा, रूपसिंह जाट, नीतीश सोनी, ईमाम खां सहित स्टाफ उपस्थित रहा।

शस्त्र पूजन के साथ आरएसएस ने निकाला पथ संचलन, जगह- जगह हुआ स्वागत

मुरैना, देशबन्धु। विजयादशमी पर हर साल की तरह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने पूरे नगर में पथ संचलन निकाला। इससे पूर्व पुराना बस स्टैंड में मुख्य आयोजन किया गया, जहां शस्त्र पूजन के साथ ही संघ के स्वयंसेवकों ने शारीरिक दक्षता का प्रदर्शन किया। जिसमें नियुद्ध, दंड योग, समता, घोष का प्रदर्शन प्रशिक्षित स्वयं सेवकों ने किया। इस बीच मंच पर मुख्य वक्ता के रूप में संघ के मुरैना विभाग प्रचारक धनराज सिंह, लंका पहाड़ी के संत शिवराम दास महाराज, संघ के जिला संघचालक विजय बांदिल व नगर संघचालक मौजूद रहे। इस बीच मुख्य वक्ता धनंजय ने संघ की स्थापना से लेकर आज तक किए गए संघ के विभिन्न कार्यों व उद्देश्यों के बारे में बताया।

साढ़े पांच बजे संघ का पथ संचलन बस स्टैंड से शुरू हुआ। जिसमें लगभग एक हजार स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में हाथों में लाठी लेकर चल रहे थे। पथ संचलन जहां से भी गुजरा, वहां लोगों ने पुष्प वर्षा कर इसका स्वागत किया। सबसे आगे दंड वाहिनी चल रहीं थी, इसके बाद घोष का दल चल रहा था। बीचों बीच भगवा ध्वज लिए स्वयं सेवक चल रहे थे। अंत में बिना शस्त्र लिए स्वयं सेवक चल रहे थे। जहां कदम ताल करते हुए संचलन जीवाजी गंज पहुंचा, इसके बाद गर्ल्स स्कूल रोड, एमएस रोड होते हुए वापस बस स्टैंड पहुंचा, जहां समापन किया गया।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

हरदा विधानसभा क्षेत्र से 3 नामांकन जमा हुए

हरदा, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन के लिए बुधवार को विधानसभा क्षेत्र हरदा के लिये 3 नाम निर्देशन पत्र जमा हुए। रिटर्निंग अधिकारी हरदा, आशीष खरे ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र हरदा के लिये सोहनदास उमरिया ने आजाद समाज पार्टी से, गीताबाई ने निर्दलीय तथा मोहन जाट ने निर्दलीय अपना नाम निर्देशन पत्र जमा किया। रिटर्निंग अधिकारी टिमरनी महेश बड़ोले ने बताया कि टिमरनी विधानसभा क्षेत्र से बुधवार को किसी भी अभ्यर्थी ने अपना नाम निर्देशन पत्र जमा नहीं कराया। उल्लेखनीय है कि हरदा और टिमरनी के एसडीएम कार्यालय में रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय स्थापित किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार नाम निर्देशन पत्र 30 अक्टूबर तक जमा होंगे।

30 को कार्यकर्ताओं के साथ नामांकन भरेंगे हेमंत खण्डेलवाल

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल विधानसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार भाजपा प्रत्याशी बनाए गए पूर्व सांसद-पूर्व विधायक हेमंत खण्डेलवाल 30 अक्टूबर को भाजपा कार्यकर्ताओं-भाजपा नेताओं के साथ अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

कल शाहपुर आएंगे कमलनाथ, चुनाव प्रचार का करेंगे शंखनाद

बैतूल, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ 27 अक्टूबर को शाहपुर आएंगे। सुबह 11 बजे वे राहुल उइके के पक्ष में एक विशाल आमसभा को संबोधित कर विधानसभा चुनाव का शंखनाद करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे ने बताया कि आमसभा में पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे, घोड़ाडोंगरी विधायक ब्रह्मा भलावी, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह, भैंसदेही विधायक धरमूसिंह सिरसाम, बैतूल विधायक निलय डागा, प्रदेश महासचिव एवं बैतूल जिला प्रभारी चंद्रिका प्रसाद द्विवेदी, प्रदेश महासचिव समीर खान, आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम, प्रदेश सचिव तिरुपति एरुलू एवं मनोज आर्य सहित सेवादल, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई सभी प्रकोष्ठ, ब्लाक, मण्डलम, सेक्टर बूथ के अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित रहेंगे।

मंदिर के पास बैठे युवक पर चढ़ा ट्रैक्टर का पहिया, उपचार के दौरान मौत

मुलताई, देशबन्धु। छिंदवाड़ा हाईवे पर बघोली-बुजुर्ग में हनुमान जी के मंदिर के पास बैठे एक युवक पर एक व्यक्ति ने ट्रैक्टर चढ़ा दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक अन्य युवक घायल हुआ। सूचना मिलने पर मौके पर संजीवनी 108 पहुंची थी और घायल युवक का डॉक्टर द्वारा उपचार भी किया गया, लेकिन उपचार के दौरान ही युवक ने दम तोड़ दिया। ट्रैक्टर का पहिया चढ़ने से युवक के मुंह और नाक कान में से खून बाहर आ रहा था। संजीवनी 108 के डॉक्टर महेश झलिये ने बताया कि कृष्णा पिता शंकर धुर्वे निवासी पांढुर्णा बघोली बुजुर्ग में हनुमान मंदिर आया हुआ था, जो मंदिर के पास बैठा था।

मुलताई को जिला बनाने का करेंगे प्रयास, बनाया जाएगा ताप्ती लोक, पारसडोह सिंचाई परियोजना से वंचित गांवों को जोड़ा जाएगा

कांग्रेस सरकार आई तो बंद कर देगी योजनाएं : शिवराज

मुलताई, देशबन्धु। नगर के हाई स्कूल मैदान में बुधवार दोपहर करीब 2 बजे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में सभा करने पहुंचे। इसके पहले वे हैलीपेड से उतरकर सीधे ताप्ती मंदिर पहुंचे जहां पर उन्होंने मां ताप्ती का विधि विधान से पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद वे सभा स्थल पर पहुंचे और उन्होंने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने कभी भी किसानों के लिए सिंचाई की बेहतर व्यवस्था बनाने का काम नही किया, जो बांध बनाए, वो हमने बनाए है, मैं जो कहता हूं करता हूं। मुलताई में जितने प्रस्तावित बांध है उन्हे जल्द बनवाया जाएगा ताकि सभी को पानी दिया जा सके। उन्होंने कहा की जब कांग्रेस की सरकार बनी तो कमलनाथ कहते थे मामा खजाना खाली कर गया। मैं विश्वास दिलाता हूं की विकास के लिए पैसे की कोई कमी नही आने दूंगा। चौहान ने उपस्थित जन समुदाय से भाजपा उम्मीदवार चंद्रशेखर देशमुख के पक्ष में मतदान कर प्रदेश में फिर एक बार भाजपा की सरकार बनाने की अपील की। सभा को सांसद डी डी उइके, भाजपा उम्मीदवार चंद्रशेखर देशमुख ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में बैतूल भाजपा उम्मीदवार हेमंत खंडेलवाल, आमला उम्मीदवार डॉ. योगेश पंडाग्रे और अन्य विधानसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कन्या पूजन और कन्या भोजन पर कांग्रेस के वार का दिया जवाब: मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि कांग्रेस के दिग्विजय सिंह कहते हैं कि मामा कन्या भोजन और कन्या पूजन के नाम पर नाटक नौटंकी करता है, मुलताई वासियों से पूछना चाहता हूं कि क्या कन्याओं का पूजन करना और उन्हें भोजन करना नौटंकी है। उन्होंने कहा की शिवराज सिंह चौहान मां, बहन और बेटियों की आखों में आंसू नहीं रहने देंगे।

चौहान ने कहा कि मुलताई को जिला बनाने के लिए विगत कई वर्षो से आंदोलन चल रहा है, जिसमे आम सहमति बनाकर मुलताई को जिला बनाए जाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि महाकाल लोक की तर्ज पर मुलताई में ताप्ती लोक का निर्माण किया जाएगा। चौहान ने कहा कि भाजपा उम्मीदवार चंद्रशेखर देशमुख द्वारा क्षेत्र में सिंचाई के लिए बांध निर्माण की मांग रखी है। क्षेत्र के हर किसान को फसलों की सिंचाई के लिए पानी मिले। इसलिए विधानसभा क्षेत्र में जितने भी प्रस्तावित बांध है। सभी का निर्माण किया जाएगा। मेरे पास पैसों की कोई कमी नहीं है। विकास के लिए पैसों की कोई कमी नहीं आएगी।

महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाएं गिनाई: चौहान ने कहा कि मैंने मध्य प्रदेश में बेटियां बोझ नहीं, वरदान बने इसके लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना बनाई है। नगरीय निकायों के चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देकर उनकी भागीदारी बढ़ाई। महिलाओं के नाम से संपत्ति खरीदने पर लगने वाले स्टांप शुल्क में छूट दी। जिसके चलते आज महिलाएं संपत्ति की मालिक बन रही है। लाड़ली बहना योजना से बहने अब मजबूर नहीं मजबूत बन गई है। 21 साल से अधिक आयु की बेटियों को भी लाड़ली बहन योजना में शामिल किया जा रहा है और मैं योजना में समय-समय पर राशि बढ़ाते हुए तीन हजार रूपए तक पहुंचा दूंगा।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा मैं सरकार नहीं परिवार चलता हूं। मेरे द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से कांग्रेस वाले परेशान हैं। यदि कांग्रेस वापस आ गई तो लाड़ली रहेगी ना बहना रहेंगी वे इन सारी योजना को बंद कर देंगे। यदि देश को बचा सकते हैं तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही है।

तीसरे दिन जमा हुआ सिर्फ एक नामांकन, 6 लोग ले गए फार्म

मुलताई, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव को लेकर नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया प्रारंभ है। नामांकन प्रक्रिया शुरू हुए वैसे तो 5 दिन बीत चुके हैं लेकिन दो दिन अवकाश होने के कारण बुधवार नामांकन के तीसरे दिन मात्र एक नामांकन फार्म जमा हो पाया। जबकि 6 लोगों द्वारा नामांकन फार्म ले जाया गया।

बुधवार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की आमसभा होने से व्यस्तता के चलते भाजपा प्रत्याशी चंद्रशेखर देशमुख की ओर से उनके प्रस्तावक अशोक कड़वे एवं हरिराम नागले ने रिटर्निंग आफिसर एवं एसडीएम के कार्यालय पहुचकर नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया। रिटर्निंग आफिसर तृप्ति पटैरया ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 129 मुलताई से बुधवार को एक नाम निर्देशन पत्र चंद्रशेखर पिता जानराव देशमुख निवासी परसोडी भाजपा प्रत्याशी की ओर से प्रस्तावक अशोक कड़वे द्वारा जमा किया गया है। वहीं चैतन्य पिता जगदीश पवार निवासी मुलताई निर्दलीय, राजेश पिता आनंदराव ठाकरे निवासी मुलताई निर्दलीय, दीपक कुमार पिता इठोबा निवासी मुलताई भाजपा, गुड्डू पिता मुन्ना आहके निवासी डोंगरपुर जयस, मीना पति रमेश गव्हाडे निवासी हिवरखेड भाजपा, देवेश पिता प्रयागराव निवासी प्रभातपटटन निर्दलीय द्वारा नाम निर्देशन पत्र ले गए है। इस तरह से अभी तक कुल एक नाम निर्देशन पत्र जमा हुआ और बुधवार कुल 6 व्यक्तियो द्वारा नाम निर्देशन पत्र ले जाए गए।

38 लाख के आभूषण कार से जप्त

▸ पुलिस ने रात में कालीमाई के पास की कार्रवाई

सारनी, देशबन्धु। बीती रात पुलिस ने 38 लाख रुपए के आभूषण जप्त किए है, जप्त किए गए आभूषणों में 19 किलो चांदी और 300 ग्राम सोना होना बताया जा रहा है। नर्मदापुरम जिले के केसला निवासी घनश्याम सोनी के पास से यह जप्ती की गई। जिसमें कार सहित आभूषण जप्त किए गए। सारनी थाना प्रभारी अरविंद कुमरे ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस रोशन जैन के मार्गदर्शन में संपूर्ण क्षेत्र में संघर्न्य जांच का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसएसटी, एफएसटी की टीमों द्वारा सघन चेकिंग की जा रही है। 24 अक्टूबर की रात में थाना प्रभारी अरविन्द कुमरे, पाथाखेड़ा चौकी प्रभारी दिलीप यादव एवं उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना पर शोभापुर कालोनी के कालीमाई के बीच में घनश्याम सोनी निवासी केसला जिला नर्मदापुरम को क्रेटा कार सहित पकड़ा जिसके पास सोना चांदी के आभूषण मिलने पर एफएसटी टीम प्रभारी अजीत सिंह ठाकुर के सुपर्द किया गया है। एफएसटी प्रभारी अधिकारी द्वारा घनश्याम साहू से सोना एवं चांदी के आभूषण कीमती लगभग 38 लाख रुपए के जप्त कर जांच में लिया गया जिसकी सूचना इनकम टैक्स विभाग बैतूल को दी गई है। उन्होंने बताया कि उक्त आभूषण के दस्तावेज है कि नहीं इसकी जांच पड़ताल भी की जा रही है।

इनका कहना है

19 किलो चांदी और 300 ग्राम सोने के आभूषण जप्त किए गए हैं और इसे सेल टैक्स विभाग और जिला सीईओ को सौपा गया है, और इस मामले की जांच के बाद ठोस निर्णय होगा। नगद 55 हजार और 10 लाख से अधिक के सामग्री लेकर जाने की वजह से इस तरह की कार्रवाई आदर्श आचार संहिता में की जा रही है। सेल टैक्स और जिले के उच्च अधिकारी सही दस्तावेज देखने के बाद इन्हें छोड़ भी सकते हैं।

रोशन कुमार जैन,
एसडीओपी सारनी

मासोद में दशहरे के दूसरे दिन मातारानी की प्रतीमा का हुआ विसर्जन

मुलताई, देशबन्धु। प्रभात पट्टन में नवरात्र के पावन पर्व पर विराजित चौक चौराहा पर देवी माता की प्रतिमाओं का दशहरे तक हर्ष उल्लास से शक्ति की देवी मां दुर्गा की उपासना प्रत्येक श्रद्धालुओं द्वारा की गई वही माता रानी के प्रतिमा की झांकीया निकालकर दशहरे के दूसरे दिन विराजित माता रानी की प्रतिमाओं को नदी एवं तालाबों मे विसर्जन किया गया। गेंदोली चौक मासोद में विराजित आदिशक्ति माता के दरबार मे श्रद्धालुओं द्वारा भोजन प्रसादी एवं विशाल भंडारा भी कियागया।बुधवार दशहरे के दूसरे दिन बैंड बाजे के साथ माता रानी की सुंदर झांकी सजाकर ग्राम भ्रमण पर निकाली गई जो ग्राम के चौक चौराहे एवं प्रमुख मार्ग से ग्राम भ्रमण किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला करांटे खिलाड़ी का रेलवे स्टेशन पर स्वागत

बैतूल, देशबन्धु। विश्व के 37 देशों में कराटे प्रतियोगिता में भाग ले चुकी अंतरराष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी सुप्रिया जाटव के बैतूल पहुंचने पर राष्ट्रीय हिन्दू सेना ने रेलवे स्टेशन पर स्वागत किया। हिन्दू सेना के मध्य भारत प्रांत सह संगठन मंत्री शुभम इंगले ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला कराटे खिलाड़ी एवं विक्रम अवार्ड प्राप्त सुप्रिया जाटव एकमात्र यू.एस.ओपन में दो बार स्वर्ण पदक विजेता है। वे कामन वेल्थ गेम्स में भी दो बार स्वर्ण पदक विजेता रही हैं। प्रखंड अध्यक्ष स्वप्निल पवार ने बताया कि विश्व के 37 देशों में कराटे प्रतियोगिता में भाग ले चुकी बहन सुप्रिया मां बगलामुखी शक्ति सिद्धपीठ सावंगी वाली माता के दर्शन के लिए बैतूल पहुंची। इस अवसर पर हिंदू सेना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय, प्रदेश संयोजक पवन एवं रजत भावसार ने भी भेंट की।

मुलताई पहुंचकर फाउंडेशन की व्यवस्थाएं देखीं

मुलताई, देशबन्धु। नगर में बुधवार विक्रम अवार्ड प्राप्त, अंतर्राष्ट्रीय महिला कराटे खिलाड़ी सुप्रिया जाटव पहुंची, उन्होंने मुलताई पहुंचकर नगर में संचालित उन्नतशील उपचार वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा संचालित क्लिक का दौरा किया और व्यवस्थाएं देखी। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ चंद्रशेखर नागले ने बताया की अंतर्राष्ट्रीय महिला कराटे खिलाड़ी एवं विक्रम अवार्ड प्राप्त, एकमात्र यू.एस.ओपन में दो बार स्वर्ण पदक विजेता तथा कामन वेल्थ गेम्स में दो बार स्वर्ण पदक विजेता सुप्रिया जाटव द्वारा क्लिनिक का भ्रमण किया गया। संस्था के नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, सेवाओं और संस्था द्वारा संचालित हेल्थ क्लिनिक एंड डे केयर सेंटर की सुविधाओं की जानकारी ली। संस्था की ओर से उनका पुष्पमाला के साथ शाल और श्रीफल प्रदान कर स्वागत अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर संस्था के अभिन्न सहयोगी रविन्द्र मानकर, ग्राम सावंगी आठनेर ने कहा कि आप हमारे जिले की बालिकाओं और महिलाओं को भी प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर अपने ही जैसे एक उच्च कोटि का खिलाड़ी बनने में अपना मार्गदर्शन प्रदान करें।

नए मतदाताओं के बीच होगा टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट

बैतूल, देशबन्धु। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जिले की पांच विधानसभाओं के ऐसे नव मतदाता जो पहली बार मतदान करेंगे के मध्य क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। विधानसभा निर्वाचन 2023 में आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से स्विप योजना के तहत क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया गया है। टेनिस बॉल से खेले जाने वाले इस दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ शनिवार 28 अक्टूबर को होगा एवं प्रतियोगिता का फाइनल मैच रविवार को खेला जाएगा। लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम पर पुलिस पेट्रोल पंप के पास आयोजित इस प्रतियोगिता में बैतूल जिले की प्रत्येक विधानसभा से 15 खिलाड़ी एक टीम में भाग ले सकेंगे। इनमें वही खिलाड़ी भाग लेंगे जिनका नाम पहली बार मतदाता सूची में शामिल हुआ है। टूर्नामेंट में बैतूल, घोड़ाडोंगरी, भैंसदेही, मुलताई एवं आमला की टीमें भाग लेंगी। इसके साथ ही जिला प्रशासन की टीम भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। विजेता टीम को इनाम स्वरूप 5 हजार रूपए राशि का नगद इनाम दिया जाएगा। जबकि उपविजेता टीम को 3 हजार रूपए नगद राशि के रूप में प्राप्त होंगे। टूर्नामेंट में जिला प्रशासन की टीम भी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस की कप्तानी में जागरूकता मिशन में भाग लेगी। उनके साथ प्रशासन के अन्य अधिकारी सीईओ अक्षत जैन, सहायक कलेक्टर ऐश्वर्या वर्मा, एडीएम सैय्याम, एसडीएम अभिषेक चौरसिया, तहसीलदार अतुल श्रीवास्तव, सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया, उप संचालक जनसंपर्क मुकेश दुबे सहित अन्य अधिकारी भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि जिला निर्वाचन के तहत मतदाताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने एवं मतदान में अधिक से अधिक लोगों को शामिल करने के उद्देश्य से प्रतिदिन किसी न किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जाता रहा है।

रामलीला में राम-रावण युद्ध का मंचन देखने बड़ी संख्या में पहुंचे दर्शक

भैंसदेही, देशबन्धु। रामलीला में अंतिम दिन राम रावण युद्ध में रावण का अंत होता है। इस प्रसंग पर कलाकारों ने आकर्षक मंचन किया। सबसे पहले मेघनाद युद्ध मे विजय पाने के लिये निकुंबला देवी के मंदिर मे यज्ञ करता है। लक्ष्मण के साथ विभीषण हनुमान सेना के साथ निकुंबला मंदिर जाकर यज्ञ विध्वंस करते है और युद्ध के लिये ललकारते है लक्ष्मण और मेघनाद मे घनघोर युद्ध होता है और अंत मे मेघनाद मारा जाता है। ज़ब यह खबर रावण को लगती है तब रावण पाताल पूरी निवासी अही रावण एवं मही रावण को पुकारते है रावण की पुकार सुनकर अही मही अपने पिता रावण के पास आते है। वहां से हनुमान, राम लक्ष्मण को वापस लेकर आते है इसके बाद रावण स्वयं युद्ध करने आता है और अंतिम चरण मे राम रावण युद्ध होता है। श्रीराम अग्नि बाण से रावण के नाभि कुंड को सूखा देते है जिसके कारण रावण मारा जाता है । रावण राम के धाम को चला जाता है इसके बाद राम विभीषण का राजतिलक लक्ष्मण से करवाकर लंका का राज्य देते है इसके बाद राम लक्ष्मण सीता सहित अयोध्या आते है। इसी के साथ चौदह वर्ष का वनवास भी पूर्ण हो जाता है और अयोध्या आने पर राम का राज्याभिषेक भी होता है इसी के साथ बड़ी ख़ुशी से अयोध्या वासी उत्साह के साथ गाते है। मेघनाद का सुन्दर अभिनय नरेन्द्र सोनी द्वारा किया गया एवं अही माहि रावण का मायावी अभिनय गणेश राय एवं सोनू तिवारी द्वारा किया गया। जिसकी तारीफ दर्शकों द्वारा की गई अंतिम दिन की रामलीला देखने दर्शक उपस्थित रहे एवं राज्याभिषेक की ख़ुशी मे रामलीला मंडल की तरफ से हर किसी को मिष्ठान भी बाटा गया।

पाथाखेड़ा के फुटबॉल ग्राउंड में जला 60 फीट का रावण

सारनी, देशबन्धु। राम रावण युद्ध के बाद नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे के माध्यम से तीर चला कर रावण का दहन किया गया है। कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा के नवदुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में पिछले 18 वर्षों से 60 फीट के रावण का निर्माण करके उसका दहन करने का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 18 वर्षों से रावण की पुतले का निर्माण करने का काम सिद्धार्थ नाथ साहू, द्वारका राठौर और शिवकुमार साहू के माध्यम से किया जा रहा है। रावण की निर्माण में 240 सुखे बाँस, 40 फीट के हारे 8 हर बाँस और लगभग 30 से 35 हजार रुपए के फटाके का उपयोग रावण के निर्माण और दहन करने का कार्य किया जाता है। रावण दहन कार्यक्रम में पाथाखेड़ा के फुटबॉल ग्राउंड में 5 से 6 हजार से अधिक शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की उपस्थिति रही। सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि को देखते हुए एसडीपी रोशन कुमार जैन, थाना प्रभारी अरविंद कुमरे और पाथाखेड़ा चौकी प्रभारी दिलीप यादव के माध्यम से गस्ती देर रात तक की गई। कार्यक्रम में भाजपा प्रत्याशी एवं विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने 7:30 बजे कार्यक्रम स्थल पर आकर माता रानी की पूजा अर्चना की।

गाजे बजे के साथ किया प्रतिमाओं का विसर्जन

सारनी, देशबन्धु। नगर पालिका परिषद सारनी के 36 वार्डों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े हर्ष उल्लास के साथ मां दुर्गा रानी की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। विसर्जन के कार्य में किसी भी तरह की कोई परेशानी का सामना न करना पड़े इसे देखते हुए प्रशासन के माध्यम से नगर पालिका परिषद सारनी के द्वारा छठ घाट पर विसर्जन की व्यवस्था करने का कार्य किया गया था। हालांकि बुधवार के दिन सुबह से लेकर दिए शाम तक लगातार मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन करने का सिलसिला जारी था। नगर पालिका द्वारा हाइड्रा में झूला निर्माण करके छोटी बड़ी प्रतिमाओं को उसमें रखकर विसर्जन करने का कार्य किया गया। विसर्जन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के पूरे इंतजाम स्थानीय पुलिस प्रशासन के माध्यम से किया गया था। नगर पालिका परिषद सारनी के कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रतिमा का विसर्जन करने का कार्य किया जा रहा था। पुलिस प्रशासन के माध्यम से विसर्जन स्थल पर किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा था।

सार समाचार

शिवाकांत कांग्रेस के जिलाध्यक्ष, विजय बाबू बने कार्यकारी जिलाध्यक्ष

इटारसी, देशबन्धु। दिवंगत सुरेश अग्रवाल के बाद वर्षों बाद इटारसी से कांग्रेस को जिलाध्यक्ष मिला है।

शिवाकांत गुड्डन पांडेय को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पार्टी के नर्मदापुरम जिलाध्यक्ष पद से नवाजा है, जबकि कार्यकारी जिलाध्यक्ष पद पर किसान नेता विजय बाबू चौधरी की नियुक्ति की गई है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठन के नर्मदापुरम के दोनों शीर्ष पदों पर इटारसी और समीप के गांव के नेताओं को तबज्जो दी है। शिवाकांत पांडेय इटारसी के प्रसिद्ध व्यावसायी हैं तो विजयबाबू चौधरी समीप के ही गांव जुझारपुर के किसान और अब तक किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रहे हैं। दोनों नेताओं को नियुक्ति मिलने पर उनके हितैषियों ने उनको शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

जबलपुर-बांद्रा टर्मिनस-जबलपुर स्पेशल ट्रेन दो-दो ट्रिप निरस्त रहेगी

इटारसी, देशबन्धु। पश्चिम रेलवे, मुंबई मंडल के खाररोड-गोरेगांव रेल खण्ड के बीच गोरेगांव, राम मंदिर, अंधेरी, विले पार्ले एवं सांताक्रूज स्टेशनों पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते मेगा ब्लॉक लिए जाने के कारण जबलपुर-बांद्रा टर्मिनस-जबलपुर स्पेशल ट्रेन को दो-दो ट्रिप निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।

जिसके अनुसार गाड़ी संख्या 02134 जबलपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल ट्रेन 27 अक्टूबर 2023 एवं 03 नवंबर 2023 को तथा गाड़ी संख्या 02133 बांद्रा टर्मिनस-जबलपुर स्पेशल ट्रेन 28 अक्टूबर 2023 एवं 04 नवंबर 2023 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस /139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारंभ करें।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने घर-घर जाकर किया सर्वे

इटारसी, देशबन्धु। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर नर्मदा पुरम एवं जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश अनुसार मतदाता प्रतिशत बढ़ाने के लिए घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है। नोडल अधिकारी एवं संकुल प्राचार्य अखिलेश शुक्ल, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला इटारसी एवं प्रधान पाठक शासकीय माध्यमिक शाला इटारसी एवं महेश कुमार रायकवार, बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ प्रकाश चौधरी एवं बीएलओ सुनीता चौधरी ने मतदान केंद्र क्रमांक 215 इटारसी का डोर टू डोर सर्वे कर वोटिंग परसेंटेज बढ़ाने के लिए मतदाताओं को जागरूक किया।

नर्मदापुरम में मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में किया रोड शो

▶ **डॉ सीतासरन शर्मा की जगह भूल से कांग्रेस प्रत्याशी गिरिजाशंकर का लिया नाम**

नर्मदापुरम, देशबन्धु। बुधवार को होशंगाबाद-इटारसी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ सीतासरन शर्मा के समर्थन में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रोड शो किया। मुख्यमंत्री का रोड शो भाजपा कार्यालय के सामने डॉ भीमराम अम्बेडकर प्रतिमा स्थल से शुरू होकर सेठानी घाट तक पहुंचा। इस दौरान डॉ शर्मा के समर्थकों के साथ बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के जिला भाजपा कार्यालय के पास आते ही कार्यकर्ताओं में जमकर धक्का मुक्की की गई। जिसमें भाजपा के एक जनप्रतिनिधि जमीन पर भी गिर पड़े। सेठानी घाट पर मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए भूल से डॉक्टर शर्मा के बड़े भाई और क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी गिरिजाशंकर शर्मा का नाम ले लिया। पूर्व विधायक गिरिजाशंकर शर्मा भाजपा से दो बार के विधायक रहे हैं। करीब दो माह पहले ही उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ली थी। कांग्रेस ने उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया है। जिसके बाद से सोशल मीडिया पर कांग्रेसियों ने सीएम के जहन में भी बसे पंडित गिरिजा शंकर शर्मा लिख कर वायरल कर दिया। मुख्यमंत्री के रोड शो में लगभग हजार लोग मौजूद रहे। सीएम के रोड शो के बाद मंच पर नगर पालिका चुनाव के दौरान निष्कासित हुए पूर्व पार्षद और कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ली। सीएम ने माला पहनाकर पार्टी में वापसी कराई।

रूठों को मनाने की कवायद

मुख्यमंत्री के रोड शो से लेकर जनसभा के मंच तक डॉ सीतासरन शर्मा का विरोध करने वाले भाजपा के अन्य कई नेता दिखाई नहीं दिए। दरअसल, भाजपा और कांग्रेस से एक ही परिवार के शर्मा बंधुओं को टिकिट मिलने से दोनों दलों के कई कार्यकर्ता नाराज हैं। ऐसे में कई लोग सबसे पहले भाजपा के रोड शो को रूठों को मनाने की कवायद के रूप में देख रहे हैं, तो कई लोगों का दबी जुबान कहना है कि डॉ सीतासरन शर्मा का अपने विरोधियों के लिए एक तरह का शक्ति प्रदर्शन ही है। जिसमें उन्होंने यह साबित कर दिया है कि विरोधी कितना भी विरोध कर लें, लेकिन ऊपर तक उनकी छवि बेहतर है।

मैंने दिया सबसे पहले स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे गर्व है मेरी बहनों आज में कहना चाहता हूं नर्मदा जी इस पवित्र तट पर कि मैंने किया हिंदुस्तान की धरती पर सबसे पहले स्थानीय निकाय चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण देने का काम। उन्होंने कहा कि ये लाड़ली बहना योजना वोट की राजनीति नहीं है। मेरी बहनों लाड़ली बहना योजना बहनों की जिंदगी बदलने का अभियान है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि कमलनाथ कहते हैं कि शिवराज सिंह नारियल लेकर चलते हैं, हर कहीं नारियल फोड़ते रहते हैं। अरे हम विकास के काम करते हैं तो नारियल फोड़ते है। तुम्हारे भाग्य में ही नारियल फूटे थे, तुम्हारी किस्मत ही फूटी थी। उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम में भव्य नर्मदा लोक बनेगा। लाड़ली बहना योजना में पैसे बढ़ाए जायेंगे।

वीआईपी मूवमेंट के बाद लगता है जाम

अक्सर वीआईपी मूवमेंट के समय जाम की स्थिति देखी जाती है। मुख्यमंत्री के जाने के बाद सर्किट हाउस चौराहे पर लंबा जाम लगा रहा। लोगों ने कहा कि प्रशासन सिर्फ वीआईपी के लिए ही व्यवस्था करता है उसे आम लोगों से कोई सरोकार नहीं रहता। हर्षित ने बताया कि यहां हर बार नेताओं के जाने के बाद जाम की स्थिति निर्मित होती है। प्रशासन आने जाने का खाका जरूर बनाता है पर व्यवस्थाएं वैसी नहीं बना पाता।

आरक्षक ने सांप को दी सीपीआर वीडियो आया सामने

__नर्मदापुरम, देशबन्धु।__ पुलिस के एक आरक्षक ने सांप को सीपीआर यानी मुंह से सांस देकर उसकी जान बचाने का दावा किया है। मामला मंगलवार का है। इसका वीडियो आज सामने आया है। कॉन्स्टेबल अतुल शर्मा नर्मदापुरम जिले की सेमरीहरचंद पुलिस चौकी में तैनात हैं। रैट स्नेक प्रजाति का सांप कीटनाशक के पानी की वजह से अचेत हो गया था। आरक्षक शर्मा ने बताया कि मैं दशहरा ड्यूटी कर रहा था। सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन के पास तवा कॉलोनी के एक मकान में सांप घुस गया है। वह पाइप के अंदर बैठा हुआ है। वहां पहुंचा तो पता चला कि लोगों ने उसे बाहर निकालने के लिए पानी में कीटनाशक मिलाकर पाइप में डाल दिया। इस वजह से सांप अचेत हो गया था। जैसे-तैसे उसे बाहर निकाला। पहले साफ पानी डालकर उसे होश में लाने की कोशिश की। पानी से उसका मुंह धोया। कीटनाशक निकल जाने के बाद सीपीआर दिया। होश में आने और सामान्य होने में उसे करीब 1 घंटा लगा। बाद में सांप को जंगल में छोड़ दिया। लेकिन जानकारों का कहना है कि सांप को इस तरह सीपीआर देना संभव नहीं है। क्योंकि सांप के शरीर की संरचना इंसानों से अलग है। उसे सीपीआर नहीं दिया जा सकता। जानकर कहते हैं कि इस मामले में सांप ने कुछ देर के लिए अचेत होने के बाद खुद-ब-खुद रिवाइव कर लिया होगा।

थाना इटारसी पुलिस टीम एवं एफएसटी नर्मदापुरम की बड़ी कार्यवाही

38 लाख 69 हजार रुपए कीमती सोने के आभूषण जब्त

इटारसी, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरण सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र नर्मदापुरम तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) इटारसी महेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी इटारसी निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला के कुशल नेतृत्व में थाना इटारसी पुलिस टीम एवं एफएसटी दल क्रमांक 2 इटारसी द्वारा चेकिंग के दौरान बस स्टैण्ड इटारसी से एक संदेही से 38,069,010 रुपये किमती के सोने के आभुषण जप्त करने में सफलता प्राप्त की है।

ज्ञात हो कि मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी इटारसी द्वारा एक टीम गठित कर पुलिस टीम एवं एफएसटी टीम के द्वारा बस स्टैण्ड इटारसी परिसर में चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति जो संदिग्ध अवस्था में घुमता हुआ मिला, जिसका नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम रामबाबु पिता छोटेराम राठौर उम्र 43 वर्ष निवासी विनायक वैली करौंद हुजुर भोपाल का होना बताया तथा पूछताछ करने पर गुमराह करने लगा। संहेद गहराने पर रामबाबू की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से प्लासटिक की थैली में रखे स्वर्ण आभूषण वजनी 604.27 ग्राम कीमती करीब 38,069,010 रुपये के पाये गये।

रामबाबू से वैध दस्तावेज एवं बिल पूछने पर वैध दस्तावेज एवं बिल मौके पर पेश नहीं कर सका तथा उसके संबंध में कोई संतोष जनक जवाब भी नहीं दिया

जो अवैध कब्जे में पाये गये स्वर्ण आभूषण वजनी 604.27 ग्राम किमती करीब 38,069,010 रुपये के विधिवत मौके पर एफएसटी टीम व्दारा जब्त करने में सफलता प्राप्त की है।

उल्लेखनीय है कि आगामी विधान सभा चुनाव एवं आदर्श आचार संहिता का पालन कराने हेतु थाना इटारसी पुलिस द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ की तस्करी, अवैध शराब व नगद राशि जब्त कर लगातार कार्यवाही की जा रही है एवं वरिठ अधिकारियों के आदेश के परिपालन में इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रखी जाएगी। कार्यवाही में निरीक्षक गौरवसिंह बुदेला, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तोप सिंह, उपनिरीक्षक केएन रजक, सहायक उपनिरीक्षक अनिल ठाकुर, संजय रघुवंशी, शैलेन्द्र तिलोटिया, प्रधान आरक्षक अशोक चौहान, शेख अबरार, भागवेन्द्र, आरक्षक हरीश डिगरसे, राजेश पवार, जयप्रकाश पाठे, गजेन्द्र डडोरे, अविनाशी, तुलसी कोडले, जितेन्द्र शेषकर सभी थाना इटारसी की विशेष सहरानीय भूमिका रही है।

वन विभाग में जप्त किया पापड़ा से भरा लकड़ी का ट्रक

सोहागपुर, देशबन्धु। सामान्य वन मंडल सोहागपुर द्वारा 25 अक्टूबर को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पापड़ा से भारी लकड़ी का ट्रक जप्त किया पापड़ा की लकड़ी खिलौने बनाने के काम आती हैं अनिल शुक्ला वन संरक्षक वनवृत्त नर्मदापुरम संदीप फैलोज वनमंडलाधिकारी सामान्य नर्मदापुरम, श्रीमती रचना शर्मा संयुक्त वन मंडलाधिकारी सामान्य सोहागपुर के मार्गदर्शन एवं श्री सुमित पाण्डेय वन परिक्षेत्राधिकारी सोहागपुर सामान्य के निर्देशन में एक दल का गठन किया गया। दल में श्री जयराम पटेल वनपाल परिक्षेत्र सहायक निभौरा, राजेश भिलाला वनरक्षक, सुशील सूर्यवंशी वनरक्षक, दीपक सिंह राजपूत वनरक्षक, रोहित पटेल वनरक्षक, पवन पटेल वनरक्षक अबरार खान स्थायीकर्मी, दीपक मिश्रा स्थायीकर्मी एवं श्री कमलेश कहार स्थायीकर्मी को शामिल किया गया।

दल द्वारा समय लगभग 05.45 बजे ग्राम नयाबोरी में चौराहे के पास एक ट्रक आते देखा उसमें वाहन चालक एवं अन्य दो व्यक्ति बैठे हुए थे वन अमले द्वारा ट्रक को रोककर तलाशी ली गई।

ट्रक में पापड़ा प्रजाति की गीली लकड़ी भरी हुई थी। वन अमले द्वारा ट्रक में बैठे व्यक्तियों से लकड़ी के परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज (टी.पी.) मांगे गए किन्तु उनके द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गए और न ही पापड़ा लकड़ियों पर किसी प्रकार का हेमर चिन्ह अंकित था। तब वन अमले द्वारा मौके पंचनामा, जप्तीनामा तैयार कर वाहन क्रमांक एचआर -6247937 को अपने कब्जे में लेकर वन परिक्षेत्र कार्यालय सोहागपुर लेकर आए जिसमें वनोपज लगभग 530 नग पापड़ा काष्ठ थी जिसका वन अपराध क्रमांक 13754/15 दिनांक 25.10.2023 पंजीबध्द किया गया। पापड़ा काष्ठ 530 नग की अनुमानित कीमत 50,000.00 रूपये आंकी गई है। प्रकरण में विवेचना जारी है।

मोटरसायकिल आपस में टकरायी, दोनों के सवारों की मौत

इटारसी, देशबन्धु। धर्मकुंडी रोड पर बाबई खुर्द के पास दो मोटर सायकिल आपस में टकराने से मोटर सायकिल सवार दो लोगों की मौत हो गयी। एक बाइक सवार मांदीखोह और दूसरा बाबईखुर्द निवासी था। पथरोटा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना 23 अक्टूबर की शाम 7:30 बजे की है। घटना में संतोष पिता शंकरलाल उईके 45 वर्ष, निवासी बाबईखुर्द और अशोक कुमरे पिता कैलाश कुमरे 25 वर्ष निवासी मांदीखोह की मौत हो गयी है।

पुलिस ने अवैध गांजे के साथ युवक को गिरफ्तार किया

इटारसी। आचार संहिता को देखते हुये एवं जिला पुलिस कप्तान डॉ. गुरुकरन सिंह के निर्देश पर पथरौटा पुलिस लगातार अवैध हथियार, मादक प्रदार्थो के खिलाफ कार्यवाही कर रही है। आज भी एसडीओपी महेन्द्र सिंह चौहान एवं पथरौटा थाना प्रभारी संजीव पंवार के कुशल मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने ग्राम भट्टी से एक आरोपी को अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया। इस सबंध में थाना प्रभारी संजीव पवार ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम भट्टी निवासी मुकेश मेहरा पिता बाजीराव मेहरा उम्र 37 वर्ष बैग में मादक प्रदार्थ लेकर ग्राम भट्टी में वाहिद की दूध डेयरी के पास खड़ा है। सूचना मिलते ही टीम को मौके पर भेजा। जहां मुकेश एक बैग लेकर खड़ा था। जब पुलिस ने जांच की तो उसमें गांजा भरा था। आरोपी को गिरफ्तार कर थाने लाया गया। आरोपी के पास से पुलिस ने 1 किलो 510 ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजा की कीमत लगभग 18 हजार रुपये है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की कार्यवाही कर न्यायालय में पेश किया है, जहां से न्यायालय के आदेश पर आरोपी को जेल भेज दिया है। आरोपी को गिरफ्तार करने में एएसआई रेखा मुनिया, आरक्षक धीरज राठोर, प्रधान आरक्षक कन्हैया गौर, आरक्षक टीटू मसकोले, 100- डायल का चालक असलम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रेलवे स्टेशन के एफओबी पर खड़े युवक से 6 लाख रुपए जब्त

इटारसी, देशबन्धु। रेल सुरक्षा बल और शासकीय रेल पुलिस की संयुक्त टीम ने पुराने एफओबी पर खड़े एक व्यक्ति से छह लाख रुपए की राशि जब्त की है। आगामी चुनाव के मद्देनजर अवैध सामग्री के परिवहन को रोकने के उद्देश्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गठित संयुक्त टीम सहायक उपनिरीक्षक संजय जनौरिया, प्रधान आरक्षक असलम जावेद, आरक्षक राकेश मुना व डेविड दीन आरपीएफ व उपनिरीक्षक संतोष पटेल द्वारा एसएसटी के अंतर्गत की जा रही सघन चेकिंग के दौरान रेलवे स्टेशन के पुराने ऊपरी पैदल पर एक संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ की तो उसने अपना नाम व पता जितेन्द्र माखिजा, पिता पुरुषोत्तम दास मखीजा, 38 साल, निवासी 23 पल्सीगर कालोनी, इंदौर, मध्यप्रदेश बताया। वह गाडरवारा से भोपाल के लिए अमरकंटक एक्सप्रेस से यात्रा कर रहा था। ट्रेन के ठहराव के दौरान काला बैग लेकर नाश्ता करने हेतु स्टेशन के बाहर जाने हेतु उतरा था। आगे पूछताछ करने पर अपने कब्जे में 06,00,000 रुपए होना बताया। रुपए के संबंध में कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका, न ही कोई संतोषप्रद उत्तर दे पाया। जिस पर उसके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुए मौके पर 06,00,000 रुपए जब्त किये। उसके विरूद्ध जीआरपी इटारसी द्वारा विवेचना की जा रही

एफएसटी दल ने युवक से 5 लाख रुपए बरामद किए

इटारसी, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के चलते आदर्श आचार संहिता में जीआरपी थाना इटारसी एफएसटी दल द्वारा मुखबिर की सूचना पर रेलवे स्टेशन इटारसी में पीपल मोहल्ला इटारसी निवासी युवक से पांच लाख नगदी जब्त किए।

संदेह होने पर जीआरपी पुलिस के जवानों ने युवक की तलाशी ली इसके बाद प्रशासन द्वारा गठित एफएसटी दल द्वारा मोहम्मद अकबर पिता मो.यूसुफ उम्र 40 साल निवासी पीपल मोहल्ला वार्ड नं. 9 इकबाल गंज इटारसी से एक बैग में रखे कपड़ों के बीच में नगदी 5,00,000 रुपए (500 के नोट की 10 गड्डियों, प्रत्येक में 100 नोट कुल पांच लाख रुपए) जब्त किये गये हैं। संदेही से पूछताछ करने पर नगदी रुपये के संबंध में कोई स्पष्ट एवं संतोषजनक जवाब न देने से उसके पास मिले नगदी रुपयों का किसी अपराध के होने के संदेह पर थाना जीआरपी इटारसी ने जब्त किया है। कार्यवाही के दौरान नोडल अधिकारी मृगी अग्रवाल (खाद्य आपूर्ति अधिकारी) द्वारका प्रसाद पाल, उप अंकेक्षण सहा आयुक्त अकेक्षण लक्ष्मण चावरे सहायक उपनिरीक्षक थाना अजाक, राजस्व निरीक्षक तोप सिंह, पटवारी हीरेंद्र वर्मा सहित एफएसटी दल के सदस्य उपस्थित थे।

कचरे में आग लगाकर प्र्रदूषण फैला रहे सफाई कर्मचारी

इटारसी, देशबन्धु। नगर के अनेक क्षेत्रों में रोज सुबह-सुबह कूड़े को आग लगाई जा रही है, जिससे निकलने वाली हानिकारक गैसें वायुमंडल को प्रदूषित कर रही हैं। कूड़े में आग लगाना मना है, लेकिन सफाई कर्मचारी मनमानी पर उतारू हैं और बाजार क्षेत्र में व्यापारियों के विरोध करने के बावजूद इनकी मनमारी पर कोई अंकुश नहीं है।

शहर के वातावरण को प्रदूषित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जिम्मेदारी नगर पालिका और उसके कर्मचारियों पर है, लेकिन वही कर्मचारी सुबह-सुबह कूड़े को आग लगाकर प्रदूषण फैला रहे हैं। इस तरह की चीजों पर प्रतिबंध होने के बावजूद इन कर्मचारियों की मनमानी को रोकने वाला भी कोई नहीं है। जब कर्मचारी सुबह-सुबह सफाई करके कचरे को आग लगाते हैं उस वक्त नगर पालिका के जिम्मेदार नींद में होते हैं। निगरानी न होने से सफाई कर्मचारी सफाई के बाद एकत्र कचरे में आग लगा देते हैं। गौरतलब है कि पिछले एक सप्ताह पूर्व भी एक युवा व्यापारी ने सोशल मीडिया पर फोटो डालकर जिम्मेदारों को उनकी जिम्मेदारी का अहसास कराने का प्रयास किया था, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। आज भी मुख्य बाजार में कर्मचारी कचरा एकत्र करके उसे आग के हवाले कर रहे हैं। इस तरह की मनमानी करके कर्मचारी सफाई के बाद एकत्र कचरे को कचरा अड्डा तक पहुंचाने की मेहनत बचा रहे हैं।

एनजीटी के आदेश हैं

नेशनल ग्रीन ट्रब्यूनल के आदेश है कि यदि कोई नागरिक इस तरह से प्रदूषण फैलाता है तो उस पर 500 रुपए का जुर्माना किया जाना चाहिए, अब तो स्वयं नगर पालिका के कर्मचारी ही ऐसा कर रहे हैं, इनके खिलाफ कार्रवाई क्या होगी, देखना होगा।

इनका कहना है

मुझे अभी स्वच्छता विभाग का कार्यभार संभाले कुछ दिन ही हुए हैं, इस तरह की शिकायत मेरे समक्ष पहली बार आयी है। मैं सुबह जांच कराता हूं, पता करते हैं कि कौन कर्मचारी ऐसा कर रहे हैं, इस पर रोक लगायी जाएगी।

मयंक अरोरा, सब इंजीनियर, प्रभारी स्वच्छता शाखा

सीएमओ ने गांधी मैदान और वीर सावरकर मैदान पर दिलाई शपथ

दशहरा मैदान में 30 हजार से अधिक नागरिकों को दिलाई मतदान की शपथ

इटारसी, देशबन्धु। मप्र विधानसभा चुनाव 2023 के लिए निर्वाचन विभाग की ओर से इटारसी सीएमओ रितु मेहरा ने 30 हजार से अधिक नागरिकों को मतदान की शपथ दिलाई। मौका था, श्रीराम लीला दशहरा महोत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रम का। यहां गांधी मैदान पर आयोजित हो रही रामलीला के मंच से रावण दहन के पूर्व नागरिकों से खचाखच भरे स्टेडियम पर सीएमओ रितु मेहरा ने 17 नवम्बर 2023 को होने वाले विधानसभा के मतदान के लिए शपथ दिलाई। नागरिकों ने हाथ उठाकर शपथ ग्रहण की। इसके बाद सीएमओ रितु मेहरा ने वीर सावरकर दशहरा मैदान पुरानी इटारसी में मंच पर पहुंचकर नागरिकों से मतदान के लिए शपथ दिलाई।

सीएमओ रितु मेहरा ने बताया कि दोनों स्थानों पर आयोजन नगरपालिका इटारसी करा रही है और इससे उचित मंच कोई दूसरा नहीं हो सकता था, जहां एक साथ इतनी अधिक संख्या में नागरिक मौजूद हों। श्रीमती मेहरा ने कहा कि एक साथ इतने लोगों को शपथ दिलाने का उनका यह पहला अनुभव था और यह बेहद खास रहा।

केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा-

कांग्रेस ने छीना आदिवासियों का हक, भाजपा सरकार ने दिए अधिकार

भोपाल, देशबन्धु। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि कांग्रेस जहां जनजातीय समाज के लिए हितों की अनदेखी करती रही और इसीलिए देश-प्रदेश की जनता ने उसे नकार दिया है। वहीं भाजपा की सरकारों ने जनजातीय समाज की भलाई के लिए किए हैं, उनसे कांग्रेस घबराई हुई है और यही बात उसके वचन पत्र से भी स्पष्ट होती है। केन्द्रीय मंत्री ने यह बात आज पत्रकारवार्ता में कही। भाजपा के प्रदेश मीडिया सेंटर में उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए श्री मुंडा ने कहा कि कांग्रेस ने जनजातीय समाज को उपेक्षित रखा। कांग्रेस पार्टी सत्ता में बने रहने के लिए हथकंडे अपनाती रही। श्री मुंडा ने कहा कि कांग्रेस ने जो वादे जनजातीय समाज से किए, उन्हें पूरा नहीं किया, जो नीतियां बनाई लागू नहीं की। जनजातीय आबादी के अनुसार जो उप योजनाएं बनीं, उनका अनुसरण भी कांग्रेस ने नहीं किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, आवागमन और सिंचाई जैसी सुविधाओं पर भी कांग्रेस ने ध्यान नहीं दिया। श्री मुंडा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा जनजातीय हितों को नजरअंदाज किया, इसलिए देश और प्रदेश के जनजातीय समाज ने, जनता ने उसे नकार दिया है।

उन्होंने कहा कि गत वर्ष 15 नवंबर को शहडोल में आयेजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू जी ने पेसा एक्ट के अंतर्गत प्रबंधन के दायित्व पंचायतों और ग्राम सभाओं को देने की शुरुआत कर दी थी। लेकिन कांग्रेस इसके लिए अपने वचन पत्र में वादा कर रही है। श्री मुंडा ने कहा कि कांग्रेस ने अपने वचन पत्र में जनजातीय अधिकारों के लिए कानून बनाने की बात की है, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटलबिहारी वाजपेयी जी की सरकार अलग से जनजातीय कार्य मंत्रालय और संवैधानिक तौर पर अलग आयोग बनाने का काम पहले ही कर चुकी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में 63 आवासीय विद्यालय खोले हैं, जबकि मध्यप्रदेश सरकार ने 95 सीएम राइज स्कूल खोले हैं। कांग्रेस के समय में सिर्फ 03 कन्या शिक्षा परिसर थे, जिन्हें भाजपा की सरकार ने 84 तक पहुंचा दिया है। कांग्रेस के समय में 725 आश्रम थे, जिन्हें भाजपा की सरकार ने 1083 तक बढ़ा दिया है। कांग्रेस के समय में खेल परिसरों की संख्या महज 14 थी, जिन्हें भाजपा की सरकार ने 26 तक पहुंचा दिया है। आज प्रदेश के आश्रमों, छात्रावासों, विद्यालयों, एकलव्य शालाओं, कन्या शिक्षा परिसर एवं क्रीड़ा परिसरों में लगभग 24 लाख जनजातीय विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं।

कमलनाथ विशाल रैली के साथ आज दाखिल करेंगे नामांकन

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ गुरुवार को छिंदवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल करेंगे। कमलनाथ 12:00 बजे शिकारपुर से छिंदवाड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे और 12:15 पर छोटी बाजार पहुंचेंगे। जहां पर राम मंदिर एवं बड़ी माता मंदिर में पूजा अर्चन के बाद 12:40 बजे कमलनाथ श्याम टॉकीज स्थित प्राचीन राम मंदिर पहुंचेंगे। यहां से पूजा कर वे रथ पर सवार होंगे। उसके बाद 12:50 बजे विशाल रैली प्रारंभ होगी, जो शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए 2:00 बजे कलेक्ट्रेट ऑफिस पहुंचेगी। जहां कमलनाथ नामांकन दाखिल करेंगे। नामांकन दाखिल करने के बाद कमलनाथ 2:25 बजे वे सभा स्थल मानसरोवर कांप्लेक्स पहुंचकर विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे।

अजय सिंह आज दाखिल करेंगे नामांकन

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व नेता प्रतिपक्ष और चुरहट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार अजय सिंह राहुल भैया गुरुवार को नामांकन दाखिल करेंगे। इसके पहले श्री सिंह अपने निज निवास शिवराजपुर सांडा से सीधी कलेक्ट्रेट कार्यालय के लिए नामांकन दाखिल करने के लिए अपने समर्थकों के साथ निकलेंगे। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार कार्यकर्ताओं के साथ स्वर्गीय कुंवर अर्जुन सिंह की समाधि स्थल पहुंचकर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देंगे। वे चुरहट में कुलदेवी झदवा माता जी के दर्शन और पूजा अर्चना करने भी जाएंगे। उसके बाद श्री सिंह पूर्वान्ह 11 बजे बिना सादगी के साथ जिला कलेक्टर कार्यालय सीधे पहुंचेंगे और नामांकन दाखिल करेंगे। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद वह हनुमानगढ़ और झाला में चुनावी सभा सभाएं कर अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे।

कांग्रेस सरकार आने पर फिर शुरू होगा शुद्ध के लिए युद्ध, कांग्रेस प्रवक्ता बोलीं-

भाजपा सरकार में 85 प्रतिशत मिलावट के मामले लंबित

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता अलका लांबा ने आज खाद्य पदार्थों में मिलावट के लिए प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मिलावटखोरों से ंचदा लेने का अरोप लगाया है। का उपयोग कर भाजपा चुनाव जीतना चाहती है। सुश्री लांबा ने आरोप लगाया कि दूध, पनीर, खोया, सभी में मिलावट की जा रही है, बच्चे, बुर्जुग सभी मिठाई के शौकीन होते हैं, लेकिन उनकी जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। यह बात उन्होंने आज पत्रकारवार्ता में कही।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के भिंड जिले में मिलावट के 2011 से लेकर 2023 तक के 85 प्रतिशत मामलों में कोई कार्रवाई या कोई सजा नहीं हुई है। आज मैं देश की सरकार से पूछना चाहती हूं कि 80 करोड़ लोगों को राशन देने का दावा करने वाली सरकार आज बताएं कि मध्य प्रदेश में डबल इंजन की सरकार आखिरकार रोजगार देने में विफल क्यों रही है, महंगाई कम क्यों नहीं हो रही है। मध्यप्रदेश में 78000 बच्चे जो आदिवासी समाज से आते हैं वह मिलावट और कुपोषण की वजह से दम तोड़ रहे हैं। उन्होंने एक वीडियो दिखाते हुए कहा कि ऐसा अनाज जिसमें रेत और धूल मिलायी जा रही है, गेहूं का वजन बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वहीं सरकारी गेहूं का वजन बढ़ाने के लिए मिलावट की जा रही है, वहीं बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं, उनका वजन कम हो रहा है।

सुश्री लांबा ने यहां स्मृति ईरानी पर तंज कसते हुए कहा कि 12वीं पास मंत्री को महिला बाल विकास मंत्री बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि शुद्ध के लिए युद्ध चलाकर कमलनाथ जी की सरकार ने सख्ती दिखायी, मामले दर्ज किए थे, मिलावट के खिलाफ इस युद्ध को अंत तक लेकर जाएंगे। सुश्री लांबा ने कहा कि जब तक मिलावट माफिया का खात्मा मध्य प्रदेश से नहीं हो जाता है कांग्रेस का शुद्ध के लिए युद्ध जारी रहेगा, हम पूरी ताकत के साथ संघर्ष करते रहेंगे और फिर सरकार में आएंगे और मिलावटखोरों का चेहरा बेनकाव करेंगे।

8 बार जीते भार्गव ने नौवीं बार भरा पर्चा, केन्द्रीय मंत्री बोले-

अपराजेय योद्धा का नामांकन भरवाने आया हूँ

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में लगातार आठ बार निर्वाचित हुए प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ मंत्री गोपाल भार्गव ने आज नौवीं बार रहली विधानसभा से नामांकन दाखिल किया। इसके पहले वह केन्द्रीय मंत्री डॉ. खटीक और बड़ी संख्या कार्यकर्ताओं के साथ नामांकन जमा करने के लिए रहली एसडीएम कार्यालय पहुंचे। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद कृषक स्टेडियम में एक चुनावी जनसभा का आयोजन किया गया। जनसभा को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार ने कहा कि आज मैं एक अपराजेय योद्धा का नामांकन भरवाने के लिए आया हूँ। न मैंने कोई चुनाव हारा है और न भार्गव जी ने आज तक कोई चुनाव हारा है, और मुझे विश्वास है कि रहली की जनता रिकॉर्ड मतों से गोपाल भार्गव को विजयी बनाकर क्षेत्र के उत्तरोत्तर विकास में एक नई इबारत के साथ साथ नौंवी जीत का नया रिकॉर्ड बनाएगी।

वहीं भाजपा प्रत्याशी श्री भार्गव ने कहा कि यह चुनाव मैं नहीं इस क्षेत्र की जनता लड़ेगी। उन्होंने जनता से कहा कि लगातार 8 बार से रहली में भाजपा की जीत का सिलसिला चला आ रहा है। इस बार भी आप भाजपा को जिताएंगे लेकिन इस बार रहली विधानसभा की जीत का अंतर इतना बढ़ा हो कि भाजपा नेतृत्व भी रहली की जीत को देखकर दंग रह जाए और पूरे प्रदेश में रहली की जीत का एक रिकॉर्ड बन जाए। जनसभा में रामदास महंत, रणधीर ठाकुर, सुरेश कपास्या, गोविंद पटेल पटना, इंद्रपाल लोधी, पन्नालाल आदिवासी, महेश यादव, जाकिर खान, श्रीमती अनीता कुशवाहा सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे। मंच संचालन विक्की जैन और आभार अभिषेक भार्गव ने जताया।

महिला मोर्चे की बैठकें आज

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव की तैयारियों की दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के 9 संभाग की प्रवासी, विधानसभा प्रभारी और संभाग प्रभारी बहनों की बैठकें 26 अक्टूबर को सभी संभागीय मुख्यालय पर आयोजित की गयी है। भोपाल और नर्मदापुरम संभाग की बैठक भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय भोपाल में प्रात: 11 बजे आहूत की गयी है। बैठक को मोर्चा की चुनाव प्रभारी श्रीमती साल्वी शलाका और महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया ने बताया कि ग्वालियर एवं चंबल संभाग की बैठक ग्वालियर जिला कार्यालय में प्रात: 11 बजे संपन्न होगी। बैठक को महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं चुनाव प्रभारी श्रीमती रेखा गुप्ता का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। रीवा शहडोल संभाग की बैठक रीवा जिला कार्यालय में दोपहर 1 बजे संपन्न होगी। जिसे संभागीय प्रभारी श्रीमती प्रमोद कुमार राजपूत संबोधित करेगी। इसी प्रकार सागर संभाग की बैठक सागर जिला कार्यालय में आहूत की गयी है। जिसका मार्गदर्शन संभागीय प्रवास प्रभारी श्रीमती रीता शास्त्री का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

16 दिन में 134 करोड़ की सामग्री जब्त

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा की आचार संहिता लगने के बाद से ही प्रदेश सिस्टम पूरी तरह से अलर्ट मोड में है. नौ अक्टूबर से प्रदेश में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू हुई. उसके बाद नौ अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक 134 करोड़ रुपये की सामग्री अब तक जब्त की जा चुकी है. इसमें 23 करोड़ रुपये की अवैध शराब भी शामिल है. 2018 के चुनाव में 73 करोड़ रुपये की सामग्री जब्त की गई थी.

प्रदेश में आचार संहिता लगने के बाद से एनफोर्समेंट एजेंसियां (एफएसटी,एसएसटी और पुलिस) अलर्ट मोड पर हैं. अब तक इन एजेंसियों द्वारा कार्रवाई कर अवैध शराब, नगदी सोना चांदी जब्त की गई है. नौ अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक प्रदेश में 23 करोड़ रुपये की कीमत की 14 लाख लीटर से अधिक अवैध शराब जब्त की जा चुकी है, जो पिछले विधानसभा चुनाव की अपेक्षा दोगुनी से भी अधिक है. साल 2018 के चुनाव में छह लाख लीटर शराब जब्त की गई थी. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश में नौ अक्टूबर से आचार संहिता प्रभावशील है. इस बीच प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से चुनाव संपन्न कराने के लिए एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा लगातार कार्रवाईयां की जा रही है. नौ से 24 अक्टूबर तक प्रदेश में 133 करोड़ 88 लाख 77 हजार 215 रुपये की सामग्री जब्त करने की कार्रवाई की गई है. उन्होंने बताया कि संयुक्त टीम द्वारा 14 करोड़ 77 लाख 26 हजार 30 रुपये नगद, 23 करोड़ 93 लाख 68 हजार 115 रुपये की अवैध शराब, नौ करोड़ 30 लाख एक हजार 400 रुपये के मादक पदार्थ, 51 करोड़ 77 लाख 97 हजार 936 रुये की अमूल्य धातु, सोना-चांदी, ज्वेलरी और 34 करोड़ 36 लाख 83 हजार 734 रुपये की अन्य सामग्रियां जब्त की गई हैं. बता दें प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों पर 17 नवंबर को वोट डाले जाएंगे, जिसके नतीजे तीन दिसंबर को घोषित किए जाएंगे।

14 करोड़ रुपये की नगदी जब्त

15वीं विधानसभा के दौरान

सत्ता पक्ष ने सवालों के मामले में विपक्ष को छोड़ा पीछे

रामपाल पहले, सिसोदिया दूसरे नंबर पर रहे, विपक्ष की ओर से डॉ. अलावा ने पूछे सर्वाधिक सवाल

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश की 15वीं विधानसभा के दौरान भारतीय जनता पार्टी विधायक रामपाल सिंह ने सवाल पूछने के मामले में विपक्ष के विधायकों को पीछे छोड़ते हुए सरकार से सर्वाधिक 390 सवाल पूछे।

इस विधानसभा के दौरान दिलचस्प बात ये रही कि सरकार से सवाल पूछने के मामले में सत्तारूढ़ भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने विपक्षी दल कांग्रेस को कहीं पीछे छोड़ दिया। सर्वाधिक संख्या में सवाल पूछने वाले शीर्ष पांच विधायकों में विपक्ष के एकमात्र विधायक डॉ हीरालाल अलावा ही स्थान बना सके। राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने आज 15वीं विधानसभा (2018 से 2023 तक) के सभी विधायकों के प्रदर्शन एवं कार्यों का लेखाजोखा प्रस्तुत किया है, जिसमें ये जानकारी सामने आई है।

संस्था की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार एडीआर और मध्यप्रदेश इलेक्शन वॉच ने सूचना के अधिकार के तहत विधानसभा सचिवालय में दिए आवेदन के आधार पर ये जानकारी जुटाई है। रिपोर्ट में उन विधायकों के कामकाज का भी विश्लेषण किया गया है, जिन्होंने इस्तीफा दे दिया या वे उपचुनाव के माध्यम से निर्वाचित हुए। रिपोर्ट में बताया गया है कि पूरी अवधि में पांच विधायकों भाजपा के कुंवरजी कोठार, हरिशंकर खटीक, दिलीप सिंह परिहार, श्याम लाल द्विवेदी और सुदेश राय का बैठकों के दौरान उपस्थिति प्रतिशत 97 फीसदी रहा।

वहीं सवाल पूछने वालों में सिलवानी विधायक और पूर्व मंत्री रामपाल सिंह इस अवधि में अव्वल रहे। इस पूरी विधानसभा की कुल अवधि में 29 हजार 484 प्रश्न पूछे गए। श्री सिंह ने इस दौरान 390 प्रश्न पूछे। भाजपा के ही यशपाल सिंह सिसोदिया 387 सवालों के साथ दूसरे नंबर पर रहे।

सबसे ज्यादा सवाल पूछने वाले विधायकों में विपक्षी दल कांग्रेस के डॉ हीरालाल अलावा (383), भाजपा के उमाकांत शर्मा (381) और राजेंद्र पांडेय (377) भी शामिल रहे। शीर्ष पांच की इस सूची में विपक्षी दल कांग्रेस का कोई दिग्गज विधायक जगह नहीं बना सका। अधिकतम संख्या में पूछे गए सवाल शहरी विकास एवं आवास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, स्कूल शिक्षा और लोक निर्माण से संबंधित रहे। पूरी 15वीं विधानसभा में कुल 140 विधेयक पेश किए गए, जिनमें से 91 प्रतिशत (127) पारित हुए।

भाजपा ने दिग्गजों को मैदान में उतारकर गुटबाजी को रोका!

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा दिग्गजों को मैदान में उतारकर पार्टी के भीतर पनपी गुटबाजी को काफी हद तक रोक लिया है।

राज्य विधानसभा के लिए भारतीय जनता पार्टी 230 सीटों में से 228 के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। इनमें पार्टी के कई ऐसे दिग्गज मैदान में उतारे गए हैं जो अब तक कई नेताओं के भविष्य का फैसला करते आ रहे हैं। इनमें प्रमुख हैं, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते और राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय। इसके साथ ही चार सांसदों को भी पार्टी ने मैदान में उतारा है। पार्टी ने जब इन दिग्गजों को मैदान में उतारा था तो कई तरह के सवाल उठे थे। अब, धीरे-धीरे तस्वीर साफ होने लगी है।

भाजपा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि राज्य की राजनीति में तीनों केंद्रीय मंत्री के अलावा राष्ट्रीय महासचिव का काफी दखल रहा है। इतना ही नहीं विधानसभा चुनाव में तो यह नेता अपनी पसंद के उम्मीदवारों को मैदान में उतारने का जोर लगाते थे। इतना ही नहीं पार्टी के भीतर गुटबाजी को भी जन्म देते थे। मगर, राष्ट्रीय नेतृत्व के फैसले ने इन नेताओं को ही मैदान में उतारकर उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में केंद्रित कर दिया।

सूत्रों का दावा है कि प्रारंभिक तौर पर जमीनी स्तर से जो फीडबैक आया है, वह पार्टी को खुश करने वाला है। इसकी वजह बड़ी है कि बड़े नेताओं के मैदान में उतरने से एक तरफ जहां आसपास की सीटें मजबूत हो रही हैं तो वहीं दूसरी सीटों पर गुटबाजी पनप नहीं पा रही है।

कांग्रेस, सपा और बसपा को करीब लाने की तैयारी

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को मात देने के लिए कांग्रेस, बसपा और सपा में एक बार फिर नए सिरे से मंथन शुरू हो गया है। अब तो कई उम्मीदवारों को बदलने और आपसी समझौते की भी चर्चाएं जोर पकड़ रही है।

राज्य में विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में समझौते की कवायद चली और कांग्रेस ने सपा को कुछ सीटें देने का भी वादा किया। कई दौर की बातचीत चली और बाद में कांग्रेस अपने वादे से मुकर गई, जिसके चलते दोनों ही दलों में दूरियां बढ़ गई, एक तरफ जहां कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने तंज कसा तो दूसरी ओर सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इस मामले में पीछे नहीं रहे। राज्य के सियासी हालात पर गौर करें तो कांग्रेस के अलावा सपा और बसपा के उम्मीदवारों के बड़ी तादाद में मैदान में उतरने से कांग्रेस को ही नुकसान होने वाला है। इस बात से कांग्रेस वाकिफ है और यही कारण है कि कांग्रेस का रुख कुछ नरम हो चला है। कांग्रेस की ओर से सपा और बसपा से संपर्क साधा जा रहा है। साथ ही कुछ सीटों से सपा तथा बसपा से उम्मीदवार हटाए जाने का आग्रह भी हो सकता है, तो वहीं कुछ स्थान पर कांग्रेस अपने उम्मीदवार हटाकर वह सीट सपा-बसपा को दे सकती है।

कांग्रेस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सपा और बसपा द्वारा बड़ी तादाद में उम्मीदवार मैदान में उतारे जाने से कई सीटों पर कांग्रेस की बढ़त पर असर पड़ने के आसार है और यही कारण है कि अब कांग्रेस समझौते के रास्ते पर बढ़ने की कोशिश कर रही है। चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं को इस बात का अहसास होने लगा था कि सपा और बसपा उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाएगी, मगर जो जमीनी फीडबैक आया है उससे इस बात के साफ संकेत मिल रहे हैं कि बुंदेलखंड और बघेलखंड की लगभग 50 से ज्यादा सीटें ऐसी हैं, जिन पर समीकरण गड़बड़ाने की आशंका है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सपा और बसपा भले ही अपने उम्मीदवारों को जिताने की स्थिति में न हों, मगर उसके उम्मीदवार इतने वोट तो ले ही जाएंगे जो नतीजे पर सीधा असर डालें और इससे कांग्रेस को ही ज्यादा नुकसान होगा। यही कारण है कि कांग्रेस अपनी मुश्किलों को कम करने के लिए दोनों ही दलों की ओर से समन्वय और समंजस्य बनाने की कोशिश चल रही है।

भाजपा ने छत्तीसगढ़ में शेष 4 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए

नई दिल्ली, देशबन्धु। भाजपा ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों के लिए शेष चार सीटों पर काफी उहापोह के बाद अंतत: बुधवार को अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। भाजपा ने बेलतरा सीट से अपने मौजूदा विधायक रजनीश सिंह के स्थान पर सुशांत शुक्ला को टिकट दी है। इसके साथ ही अंबिकापुर से राजेश अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया है , जो कांग्रेस के कद्दावर नेता एवं छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। वहीं बेमेतरा से दीपक साहू और कसडोल से धनीराम धींवर को पार्टी प्रत्याशी बनाया गया है। छत्तीसगढ़ की 90 सीटों में से भाजपा ने तीन चरणों मे अपने 86 उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। आज की चौथी सूची जारी किये जाने के साथ ही उसके पूरे उम्मीदवारों के नाम सामने आ चुके हैं।

दोनों प्रमुख दलों की चिंता बढ़ी

झाबुआ-अलीराजपुर की 5 सीटों पर बागियों ने ठोकी ताल

• **धर्मेन्द्र पांचाल**

झाबुआ, देशबन्धु। वेब सीरीज़ मिर्जापुर में कालीन भैया का जैसा भौकाल था, वैसा ही आदिवासी अंचल झाबुआ-अलीराजपुर में बागियों का दिख रहा है। इन दो जिलों में 5 विधानसभा सीटें है। जिनमें झाबुआ में झाबुआ, थांदला व पेटलावद हैं तो 2 सीटें अलीराजपुर और जोबट अलीराजपुर जिले में है। कांग्रेस और भाजपा - दोनों ने इन सीटों के लिए अपने-अपने उम्मीदवार तय कर दिए है। परंतु अपनी ही पार्टी के बागियों के तेवर ने दोनों ही दलों के माथे पर चिंता की लकीरें डाल दी है।

झाबुआ में बागी बिगाड़ेंगे खेल

झाबुआ विधानसभा में कांग्रेस ने कांतिलाल भूरिया के बेटे विक्रांत को टिकट दिया। जिसके चलते पूर्व विधायक जेवियर मेढ़ा ने बगावत कर दी। उन्होंने 'आप' व निर्दलीय के रूप में निर्वाचन फॉर्म लिया है। मतलब साफ़ है आप टिकट देती है, तो ठीक वरना निर्दलीय लड़ना तय है। ठीक इसी तरह भाजपा में भानू भूरिया के प्रत्याशी घोषित होते ही विरोध के स्वर प्रबल हुए। कई जगह उनके पुतले तक फूंक दिए गए। बीते दिनों झाबुआ में आने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने असंतुष्टों को साधने का प्रयास किया था। उसके बावजूद पूर्व नपाध्यक्ष धनसिंह बारिया ने निर्दलीय के रूप में फॉर्म ले लिया। ठीक इसी तरह सोमवार तक भाजपा का काम कर रहे जिला महामंत्री सोमसिंह सोलंकी ने मंगलवार को करवट बदली। सोलंकी मंगलवार को निर्वाचन फॉर्म लेकर बोले कि कार्यकर्ताओं के मन की बात को सुनेंगे। झाबुआ में भाजपा प्रत्याशी को जिताने का जिम्मा भी जिला महामंत्री सोमसिंह सोलंकी के पास ही है। उनके बागवत तेज करने से पार्टी के नेता असहज दिख रहे है। यहां के राजनीतिक परिदृश्य को देखे तो बागी दोनों पार्टी का खेल बिगाड़ने के लिए बिसात बिछा चुके है।

थांदला में भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह नहीं, जयस की धमक से कांग्रेस को डर

थांदला विधानसभा में कांग्रेस ने वर्तमान विधायक वीरसिंह भूरिया को अपना उम्मीदवार बनाया है। तो वहीं भाजपा ने अपने पुराने खिलाड़ी कलसिंह भाबर पर दांव लगाया है। वीरसिंह और कलसिंह का यह तीसरा मुकाबला है, जिसमें से 2 बार वीरसिंह विजयी हुए है। यहां पर जयस ने माजू डामोर को अपना प्रत्याशी बनाया है, जिसके चलते कांग्रेस को अपने वोट कटने का डर है। भाजपा ने जब से कलसिंह भाबर के नाम की घोषणा की है तब से कुछेक कार्यकर्ताओं को छोड़कर पार्टी में उत्साह की कमी देखी जा रही है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि इसकी वजह 2003 से एक ही उम्मीदवार होना है। यहां पर भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद प्रतिनिधि दिलीप कटारा और तानसिंह डामोर ने निर्दलीय लड़ने का ऐलान कर दिया है। जिसके चलते भाजपा की मुसीबतें बढ़ेंगी। आपको बता दें कि 2018 में भी कलसिंह भाबर, दिलीप कटारा की बगावत के चलते हारे थे।

पेटलावद में निर्मला की राह में रमेश बनेंगे रोड़ा

पेटलवाद से भाजपा ने वरिष्ठ भाजपा नेता निर्मला भूरिया को टिकट दिया है। तो वहीं कांग्रेस ने वर्तमान विधायक वालसिंह मेढ़ा को उम्मीद्वार बनाया है। पेटलावद में कांग्रेस और भाजपा दोनों के बागी मैदान में उतरने के लिए तैयार है। कांग्रेस में टिकट नहीं मिलने के बाद से अकमाल मालू ने जहां अपना दमखम दिखाकर नामांकन भरा है। तो वहीं निर्मला की राह में रोड़ा अटकाने के लिए जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी ने भी निर्वाचन फॉर्म लिया है। साथ ही यहां पर आम आदमी पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। जिसके चलते पेटलावद का राजनीतिक माहौल गर्म है।

अलीराजपुर की दोनों सीटों पर भाजपा के बागी तैयार

अलीराजपुर और जोबट विधानसभा में टिकट की घोषणा के बाद से भाजपा में बगावत खुलकर सामने आ गई है। अलीराजपुर से पूर्व जिलाध्यक्ष वकीसिंह ठकराला ने समर्थकों के साथ बैठक कर निर्दलीय लड़ने का ऐलान कर दिया है। वे सोमवार को नामांकन फॉर्म भी ले आए है। तो वहीं इसी तरह जोबट के पूर्व विधायक व मप्र वन विकास निगम मंडल के अध्यक्ष माधोसिंह डावर ने कार्यकर्ताओं के साथ जाकर नामांकन फॉर्म लिया है। यहां पर कांग्रेस की टिकट आने से पहले पूर्व विधायक कलावती भूरिया के भतीजे दीपक भूरिया ने इस्तीफा दिया है। हालांकि वह क्या करेंगे, इसको लेकर अभी उन्होंने पत्ते नहीं खोले है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।